website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 66 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार 15 फरवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

उद्योग भवन मेट्रो स्टेशन अब 'सेवा तीर्थ'

नई दिल्ली । दिल्ली में उद्योग भवन मेट्रो स्टेशन का नाम बदलकर अब 'सेवा तीर्थ' कर दिया गया है। यह फैसला प्रधानमंत्री कार्यालय के नए नामकरण के तुरंत बाद लिया गया। केंद्रीय मंत्री मनोहर

लाल खट्टर ने शुक्रवार को इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए कहा कि स्टेशन का नया नाम केंद्रीय प्रशासनिक क्षेत्र में हो रहे प्रतीकात्मक बदलाव और जनसेवा के विजन को दर्शाता है। यह स्टेशन दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन की येलो लाइन पर स्थित एक अहम स्टेशन है, जिसका उपयोग रोजाना बड़ी संख्या में सरकारी अधिकारी, कर्मचारी और आगंतुक करते हैं। आसपास कई मंत्रालय और प्रमुख सरकारी कार्यालय होने के कारण इसका महत्व काफी ज्यादा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'सेवा तीर्थ' नाम को जनसेवा और नागरिक कल्याण के प्रति समर्पण का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि सेवा भाव ही भारत की आत्मा और पहचान है। उनके अनुसार यह नाम कर्तव्य, करुणा और 'भारत प्रथम' की सोच को मजबूत करता है तथा आने वाली पीढ़ियों को निःस्वार्थ सेवा के लिए प्रेरित करेगा।

कोलकाता एयरपोर्ट पर बम धमकी से हड़कंप

कोलकाता। कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर उस समय हड़कंप मच गया जब IndiGo की एक उड़ान के टेकऑफ से ठीक पहले पायलट को बम की धमकी वाली पर्ची मिली। इंडिगो की फ्लाइट 6E3074 सुबह 9:15 बजे

शिलॉन्ग के लिए रवाना होने वाली थी। बोर्डिंग के दौरान पायलट को विमान के टॉयलेट में एक नोट मिला, जिसमें विमान में बम होने की चेतावनी लिखी थी। सूचना मिलते ही सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू किया गया और विमान को तुरंत आइसोलेशन बे में ले जाया गया। सभी यात्रियों को सुरक्षित उतारकर बाहर निकाला गया। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने विमान की गहन तलाशी शुरू की और एयरपोर्ट पर हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया। अधिकारियों के अनुसार नोट किसने रखा, इसकी जांच की जा रही है।
प्राथमिक जांच में कोई विस्फोटक नहीं मिला। सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद उड़ान करीब 11:30 बजे अपने गंतव्य के लिए रवाना कर दी गई। यात्रियों में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा, लेकिन स्थिति को जल्दी नियंत्रित कर लिया गया। गौरतलब है कि यह पहली ऐसी घटना नहीं है। इससे पहले भी इंडिगो की उड़ानों को बम धमकी मिल चुकी है।
जनवरी में लखनऊ में एक फ्लाइट की आपात लैंडिंग करानी पड़ी थी। हाल में दिल्ली के कई स्कूलों को भी धमकी भरे ईमेल मिले थे, जो बाद में अफवाह निकले। अधिकारियों ने कहा कि हर धमकी को गंभीरता से लेकर जांच की जाती है।

मुंबई मेट्रो पिलर हादसा: एक मौत, तीन घायल

मुंबई। मुंबई के मुलुंड पश्चिम स्थित एलबीएस रोड पर मेट्रो निर्माण कार्य के दौरान बड़ा हादसा हो गया। निर्माणाधीन मेट्रो पिलर का एक हिस्सा टूटकर नीचे गिर पड़ा, जिसकी चपेट में आकर एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। गिरा हुआ

हिस्सा एक ऑटो रिक्शा और एक कार पर आ गिरा, जिससे दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। फायर ब्रिगेड अधिकारियों के अनुसार मृतक की पहचान रामधन यादव के रूप में हुई है। घायलों में राजकुमार इंद्रजीत यादव, महेंद्र प्रताप यादव और दीपा रुहिया शामिल हैं। राजकुमार की हालत गंभीर बताई जा रही है और उन्हें नजदीकी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है, जबकि अन्य दो घायलों की स्थिति स्थिर है। घटना पर मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजनल डेवलपमेंट अथॉरिटी ने बयान जारी कर बताया कि मुलुंड फायर स्टेशन के पास पियर संख्या 196 के नजदीक यह हादसा दोपहर करीब सवा बारह बजे हुआ। एजेंसी की टीम मौके पर पहुंचकर बीएमसी और आपदा प्रबंधन दल के साथ राहत व सुरक्षा कार्य में जुट गई। हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। यह निर्माणाधीन मेट्रो लाइन-4 वडाला से ठाणे तक प्रस्तावित रूट का हिस्सा है, जो घाटकोपर, विक्रोली, भांडुप और मुलुंड क्षेत्रों को जोड़ती है। घटना के बाद वर्षा गायकवाड़ ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए सुरक्षा मानकों और गुणवत्ता जांच को लेकर सवाल उठाए और जिम्मेदारी तय करने की मांग की है।

18% टैरिफ बनाम 0%, आगे कुआं और पीछे खाई की हालत; यूएस ट्रेड डील पर राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दूरदर्शी और राष्ट्रहित में सोचने वाली कोई भी सरकार अमेरिका के साथ ऐसा व्यापार समझौता करती जो कपास किसानों और कपड़ा निर्यात दोनों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करता, लेकिन मौजूदा सरकार ने इसके उलट कदम उठाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि व्यापार समझौते के अहम पहलुओं को देश से छिपाया गया है। राहुल गांधी ने एक वीडियो जारी कर कहा, "18 प्रतिशत बनाम शून्य प्रतिशत शुल्क—प्रधानमंत्री और उनकी कैबिनेट इस पर भ्रम फैला रही है और बता नहीं रही कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से कपास उत्पादकों और वस्त्र निर्यातकों को कैसे नुकसान हो सकता है।" राहुल गांधी ने कहा कि बांग्लादेश को अमेरिका में वस्त्र निर्यात पर शून्य प्रतिशत शुल्क का लाभ दिया जा रहा है, लेकिन शर्त यह है कि वह अमेरिकी कपास आयात करे। उन्होंने कहा कि भारत के गारमेंट्स पर 18 प्रतिशत शुल्क की घोषणा के बाद जब उन्होंने संसद में बांग्लादेश को मिल रही इस रियायत पर सवाल उठाया, तो सरकार के मंत्री ने जवाब दिया कि यदि भारत को भी यही फायदा चाहिए तो अमेरिका से कपास मंगवानी होगी। उन्होंने पूछा कि यह शर्त देश से छिपाई क्यों गई।

किसानों के बर्बाद होने का आरोप
राहुल गांधी ने सरकार की नीति पर सवाल उठाते हुए कहा, "ये कैसी नीति है? क्या यह सचमुच कोई विकल्प है या आगे कुआं और पीछे खाई जैसी स्थिति में फंसाने वाला जाल?" उनका कहना है कि अगर भारत अमेरिकी कपास आयात करता है तो देश के अपने किसान बुरी तरह प्रभावित होंगे। वहीं अगर आयात नहीं करता, तो भारतीय कपड़ा उद्योग वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पिछड़ सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि संकेत मिल रहे हैं कि बांग्लादेश भारत से कपास आयात घटा या बंद कर सकता है, जिससे स्थिति और कठिन हो सकती है। उनके मुताबिक कपास खेती और वस्त्र उद्योग देश की आजीविका की रीढ़ हैं।

बेरोजगारी बढ़ाने का किया दावा
राहुल गांधी ने कहा कि इन दोनों क्षेत्रों पर चोट का सीधा मतलब है लाखों परिवारों को बेरोजगारी और आर्थिक संकट की ओर धकेल देना। उन्होंने कहा कि एक दूरदर्शी सरकार ऐसा सौदा करती जिससे किसानों और निर्यातकों दोनों के हित सुरक्षित रहते। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी टीम पर आरोप लगाया कि यह समझौता दोनों क्षेत्रों को गहरी चोट पहुंचा सकता है और दीर्घकाल में रोजगार पर नकारात्मक असर डाल सकता है।

Pm मोदी ने ब्रह्मपुत्र पर बने "कुमार भास्कर वर्मा सेतु" का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी ने गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र नदी पर बने 2.86 किमी लंबे "कुमार भास्कर वर्मा सेतु" का उद्घाटन किया। करीब 3,030 करोड़ रुपये लागत वाला यह 6-लेन एक्स्ट्राडोज्ड पीएससी पुल गुवाहाटी और नॉर्थ गुवाहाटी के बीच यात्रा समय घटाकर लगभग 7 मिनट करेगा। भूकंपीय सुरक्षा के लिए बेस आइसोलेशन, फ्रिक्शन पेंडुलम बेयरिंग और ब्रिज हेल्थ मॉनिटरिंग सिस्टम लगाए गए हैं। इससे कनेक्टिविटी और रणनीतिक क्षमता मजबूत होगी। डिब्रूगढ़ में आपातकालीन लैंडिंग सुविधा का भी उद्घाटन हुआ, जहां भारतीय वायुसेना ने एयर शो किया।

कैम्पियरगंज में वानिकी यूनिवर्सिटी से युवाओं को रोजगार की गारंटी: योगी

यूपी। योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कैम्पियरगंज में बनने जा रहा प्रदेश का पहला वानिकी एवं उद्यान विज्ञान विश्वविद्यालय युवाओं के लिए रोजगार की मजबूत गारंटी बनेगा। उन्होंने कहा कि यहां से डिग्री और डिप्लोमा लेने वाले युवाओं को देश और विदेश में नौकरी के व्यापक अवसर मिलेंगे, साथ ही किसानों की आमदनी बढ़ाने में भी यह संस्थान अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने यह घोषणा जंगल कौड़िया ब्लॉक में पुनर्निर्मित बीडीओ कार्यालय के उद्‌घाटन के बाद की। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह विश्वविद्यालय पर्यावरण संरक्षण, वनाच्छादन बढ़ाने और वायु प्रदूषण नियंत्रण जैसे मुद्दों पर भी काम करेगा। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण के दौर में ऐसे संस्थान समय की जरूरत हैं, जो वैज्ञानिक तरीके से खेती और वानिकी को आगे बढ़ाएं। उन्होंने कैम्पियरगंज स्थित गिद्धराज जटायु संरक्षण केंद्र

का भी उल्लेख किया और कहा कि रसायनों और पेस्टिसाइड के बढ़ते उपयोग से गिद्धों की संख्या तेजी से घटी है। इस केंद्र का उद्देश्य उनके संरक्षण और पर्यावरण संतुलन को मजबूत करना है। गोरखपुर और आसपास के क्षेत्र के विकास का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि खाद कारखाना फिर चालू हुआ है, बीआरडी मेडिकल कॉलेज बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं दे रहा है, पिपराइच चीनी मिल दोबारा शुरू हुई है और धुरियापार में कम्प्रेस्ड बायो गैस प्लांट लग चुका है। कालेसर–जंगल कौड़िया बाईपास बनने से कनेक्टिविटी भी बेहतर हुई है। कार्यक्रम में कैम्पियरगंज विधायक फतेह बहादुर सिंह ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था, उद्योग, रोजगार और जनकल्याण के क्षेत्र में तेज़ प्रगति हो रही है। उन्होंने बताया कि एशिया की सबसे बड़ी फॉरेस्ट्री यूनिवर्सिटी का शिलान्यास जल्द किया जाएगा।

योगी होकर कैसे मुख्यमंत्री रह सकते हैं? शंकराचार्य विवाद पर बढ़ी सियासी-धार्मिक बहस

वाराणसी। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बीच हालिया बयानबाज़ी ने सियासी और धार्मिक हलकों में नई बहस छेड़ दी है। शंकराचार्य पद की मान्यता, सनातन परंपरा और योगी की राजनीतिक भूमिका को लेकर दिए गए बयानों के बाद विवाद तेज हो गया है। मामला तब गरमाया जब मुख्यमंत्री ने कहा कि हर व्यक्ति खुद को शंकराचार्य नहीं कह सकता और कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि शंकराचार्य का पद सनातन धर्म में सर्वोच्च और पवित्र है, जिसकी अपनी तय परंपराएं और नियम हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अविमुक्तेश्वरानंद ने कड़ा पलटवार किया।

शंकराचार्य का पलटवार
एक मीडिया इंटरव्यू में अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि सनातन परंपरा में शंकराचार्य की पहचान किसी सरकारी मान्यता या राजनीतिक प्रमाणपत्र से तय नहीं होती। यह पद गुरु-शिष्य परंपरा और धार्मिक मान्यताओं से निर्धारित होता है। उन्होंने कहा कि कोई मुख्यमंत्री या सरकार शंकराचार्य नियुक्त नहीं कर सकती। उन्होंने योगी आदित्यनाथ पर सीधा सवाल उठाते हुए कहा, "जो व्यक्ति योगी बन गया, उसे राजपाट से दूर रहना चाहिए। राजा योगी बन सकता है, लेकिन योगी फिर राजा नहीं बनता।" उन्होंने इसे विरक्ति और सन्यास परंपरा का मूल सिद्धांत बताया।

माघ मेले के विवाद का भी जिक्र
मुख्यमंत्री ने अपने बयान में माघ मेले से जुड़े विवाद का भी उल्लेख किया था। उन्होंने कहा कि मौनी अमावस्या पर भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने विशेष व्यवस्था की थी और किसी को भी नियम तोड़ने की छूट नहीं दी जा सकती। उनके अनुसार विवाद को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया और माहौल खराब करने की कोशिश हुई।

सपा प्रमुख का भी हमला
इस मुद्दे पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि केवल गेरुआ वस्त्र पहन लेने या कान छिदवा लेने से कोई योगी नहीं बन जाता। संतों और धार्मिक पदों का सम्मान होना चाहिए।

धर्म बनाम सत्ता पर नई चर्चा
पूरे घटनाक्रम के बाद धर्म और राजनीति के संबंधों को लेकर नई बहस शुरू हो गई है। एक पक्ष धार्मिक परंपरा की स्वायत्तता पर जोर दे रहा है, तो दूसरा कानून और प्रशासनिक व्यवस्था को सर्वोपरि बता रहा है। विवाद के आगे और बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं।

शिवाजी–टीपू तुलना पर विवाद: सपकाल के बयान से गरमाई महाराष्ट्र की सियासत

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में उस समय तीखा विवाद खड़ा हो गया जब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल के एक बयान पर व्यापक प्रतिक्रिया सामने आई। उन्होंने अपने बयान में छत्रपति शिवाजी महाराज की तुलना टीपू सुल्तान से कर दी, जिसके बाद सियासी माहौल गरमा गया। इस टिप्पणी पर राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कड़ी नाराजगी जताई और बयान को आपत्तिजनक बताया।

सपकाल ने क्या कहा
हर्षवर्धन सपकाल ने एक कार्यक्रम में कहा कि जिस तरह छत्रपति शिवाजी महाराज ने बहादुरी और आजादी का विचार दिया, उसी तरह टीपू सुल्तान ने भी संघर्ष और स्वतंत्रता की भावना को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि दोनों ऐतिहासिक व्यक्तित्वों को समान दृष्टि से देखा जाना चाहिए। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक और सामाजिक संगठनों की ओर से तीखी प्रतिक्रियाएं आने लगीं।

फडणवीस का कड़ा पलटवार
मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बयान की निंदा करते हुए कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज की तुलना टीपू सुल्तान से करना बेहद शर्मनाक और अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज ने मुगलों से संघर्ष कर स्वराज की स्थापना की और हिंदवी स्वराज्य का निर्माण किया। फडणवीस ने आरोप लगाया कि टीपू सुल्तान के शासनकाल में हिंदुओं पर अत्याचार और हत्याएं हुईं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे बयान वोट बैंक की राजनीति से प्रेरित लगते हैं और महाराष्ट्र की जनता इसे स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने सपकाल के बयान को पूरी तरह निंदनीय बताया।

सियासी प्रतिक्रिया तेज
इस बयान के बाद राज्य की सियासत में आरोप–प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। विभिन्न संगठनों और नेताओं ने भी इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। शिवाजी महाराज और टीपू सुल्तान जैसे ऐतिहासिक व्यक्तित्वों की तुलना को लेकर बहस एक बार फिर राजनीतिक केंद्र में आ गई है।

US ट्रेड डील पर CM उमर अब्दुल्ला का दावा, 'ड्यूटी फ्री सेब-अखरोट से बर्बाद हो जाएंगे कश्मीरी किसान'

जम्मू-कश्मीर । जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भारत–अमेरिका ट्रेड डील को लेकर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि अगर समझौते के तहत अमेरिकी बागवानी उत्पादों को भारतीय बाजार में ड्यूटी-फ्री एंट्री दी गई, तो इसका सीधा और नुकसानदेह असर कश्मीर के लाखों किसानों की आजीविका पर पड़ेगा। एक सार्वजनिक मंच से बोलते हुए उन्होंने केंद्र सरकार से इस मुद्दे पर सावधानी बरतने की अपील की। मुख्यमंत्री एग्रीटेक मेले 'गोंगुल 2026' में भाग लेने पहुंचे थे, जिसका आयोजन शेर-ए-कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी (SKUAST) में किया गया। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की बात कर रही है, लेकिन बिना सुरक्षा उपायों के विदेशी प्रतिस्पर्धा स्थानीय किसानों को कमजोर कर देगी। उन्होंने आशंका जताई कि अगर अमेरिका से सेब, अखरोट, बादाम और अन्य ड्राई फ्रूट बिना आयात शुल्क के आए, तो स्थानीय उत्पादों की मांग और कीमत—दोनों प्रभावित होंगी।

किसानों के निवेश पर फिरेगा पानी
उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में कश्मीर के बागवानों ने अपनी बचत और कर्ज लगाकर बागों को आधुनिक बनाया है। हाई-डेंसिटी प्लांटेशन, बेहतर किस्म के पौधे और कोल्ड स्टोरेज (CA स्टोर्स) जैसी सुविधाओं पर बड़ा निवेश किया गया है, ताकि उपज की गुणवत्ता और शेल्फ लाइफ बढ़ सके। उन्होंने कहा कि अगर इसी समय सस्ता विदेशी माल बाजार में भर गया, तो किसानों को अपनी फसल कम दाम पर बेचनी पड़ेगी। उनके अनुसार यह उन किसानों के साथ अन्याय होगा जिन्होंने उत्पादन सुधारने के लिए बड़ा जोखिम उठाया है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था बचाने की चुनौती
मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने हालिया बजट में पर्यटन, बागवानी, पशुपालन, मत्स्य और डेयरी क्षेत्रों को प्राथमिकता दी है। कश्मीर की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सेब और अखरोट की केंद्रीय भूमिका है। उन्होंने केंद्र से मांग की कि स्थानीय उत्पादकों के हितों की रक्षा के लिए आयात शुल्क में ढील देने से पहले राज्यों के प्रभाव का आकलन किया जाए, ताकि कश्मीरी किसानों को बाजार में उचित दाम मिल सके।

NTA की तर्ज पर बनेगी 'स्टेट टेस्टिंग एजेंसी', कांग्रेस ने बताया 'झुनझुना', BJP का पलटवार

जयपुर। राजस्थान में भर्ती परीक्षाओं और प्रवेश प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए भजनलाल शर्मा सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। केंद्र की नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) की तर्ज पर राज्य में 'स्टेट टेस्टिंग एजेंसी' (STA) बनाई जाएगी। इस घोषणा के बाद प्रदेश की राजनीति में घमासान शुरू हो गया है। विपक्ष ने इसे दिखावटी कदम बताया है, जबकि सत्तापक्ष इसे सुधार की दिशा में बड़ा बदलाव बता रहा है।

बजट में हुई औपचारिक घोषणा
राज्य बजट के दौरान 11 फरवरी को वित्त मंत्री दीया कुमारी ने विधानसभा में STA गठन की औपचारिक घोषणा की थी। सरकार का कहना है कि एक समर्पित राज्य स्तरीय टेस्टिंग एजेंसी बनने से भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं का संचालन अधिक व्यवस्थित और सुरक्षित तरीके से किया जा सकेगा। हाल के वर्षों में पेपर लीक और परीक्षा गड़बड़ियों के मामलों को देखते हुए इसे सुधारात्मक कदम के रूप में पेश किया जा रहा है।

सीएम का दावा: पारदर्शिता और तेजी
मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इसे युवाओं के हित में ऐतिहासिक फैसला बताया। उनके अनुसार नई एजेंसी बनने से परीक्षा

प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ेगी, प्रक्रियाएं तेज होंगी और योग्य अभ्यर्थियों को निष्पक्ष अवसर मिलेगा। कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि एजेंसी का ढांचा और संचालन प्रारूप जल्द तैयार किया जाएगा, ताकि इसे धरातल पर उतारा जा सके।

कांग्रेस का सवाल: जब भर्तियां नहीं, तो एजेंसी क्यों?
कांग्रेस ने इस फैसले पर सवाल उठाए हैं। वरिष्ठ विधायक हरिमोहन शर्मा ने कहा कि राज्य में पर्याप्त भर्तियां ही नहीं हो रहीं, युवा बेरोजगार हैं, ऐसे में नई एजेंसी बनाना केवल ध्यान भटकाने की कोशिश है। उन्होंने पूछा कि जब पहले से राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC) और कर्मचारी चयन बोर्ड मौजूद हैं, तो नई संस्था की जरूरत क्या है। उन्होंने STA को युवाओं के हाथ में थमाया गया "झुनझुना" बताया।

BJP का पलटवार
विपक्ष के आरोपों पर भारतीय जनता पार्टी ने तीखा जवाब दिया है। बीजेपी विधायक गोपाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान भर्तियों में गड़बड़ियां और पेपर लीक आम बात थी। उनके मुताबिक सुधार के कदमों पर सवाल उठाने का नैतिक अधिकार कांग्रेस खो चुकी है। फिलहाल STA गठन को लेकर सत्ता और विपक्ष के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

विकास की राह पर भारत, टकराव से ऊपर खेल और संवाद की प्राथमिकता

भारत और पाकिस्तान के बीच खेल, कूटनीति और तनाव का रिश्ता हमेशा जटिल रहा है। हाल के घटनाक्रम में कुछ दिनों की अनिश्चितता और बयानबाज़ी के बाद पाकिस्तान का विश्व कप में भारत से मैच खेलने पर सहमत होना यह दिखाता है कि खेल के मंच पर अंततः संवाद और सहभागिता का रास्ता ही आगे बढ़ता है। 15 फरवरी को प्रस्तावित भारत-पाक मुकाबला सिर्फ एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि दो देशों के रिश्तों की संवेदनशील पृष्ठभूमि में होने वाला प्रतीकात्मक क्षण भी है। दशकों से दोनों देशों के बीच राजनीतिक अविश्वास, युद्धों का इतिहास, सीमाई तनाव और आतंकवाद के आरोप-प्रत्यारोप रहे हैं, लेकिन इसके समानांतर यह भी सच है कि खेल ने कई बार तनाव के बीच पुल का काम किया है। पाकिस्तान का आंतरिक परिदृश्य लंबे समय से अस्थिरता, आर्थिक चुनौतियों, सुरक्षा समस्याओं और राजनीतिक खींचतान से जूझता रहा है। वहां आतंकी हमले, सांप्रदायिक हिंसा और अलगाववादी गतिविधियों की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रही हैं, जिनका असर आम नागरिकों के जीवन पर पड़ता है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक विकास के कई मानकों पर उसे अभी लंबा रास्ता तय करना है। दूसरी ओर, भारत ने पिछले तीन दशकों में आर्थिक सुधार, बुनियादी ढांचे के विस्तार, तकनीक, स्टार्टअप, डिजिटल गवर्नेंस और वैश्विक साझेदारी पर जोर देते हुए विकास को अपनी केंद्रीय नीति के रूप में प्रस्तुत किया है। भारत की विदेश नीति में भी यह रेखांकित किया जाता रहा है कि स्थिरता, व्यापार, कनेक्टिविटी और बहुपक्षीय सहयोग को प्राथमिकता दी जाए। दोनों देशों के बीच समस्या यह रही है कि सुरक्षा और आतंकवाद से जुड़े मुद्दे बार-बार संवाद की प्रक्रिया को पटरी से उतार देते हैं। भारत का रुख रहा है कि बातचीत और संबंधों की सामान्य स्थिति तभी संभव है जब सीमा पार आतंकवाद पर ठोस कार्रवाई हो। पाकिस्तान की ओर से अक्सर कश्मीर और क्षेत्रीय संतुलन जैसे मुद्दे उठाए जाते हैं। इस पारस्परिक अविश्वास ने खेल और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को भी कई बार प्रभावित किया है। फिर भी, अंतरराष्ट्रीय खेल संस्थाएं और मंच लगातार यह कोशिश करते रहे हैं कि खेल को राजनीति से अलग रखते हुए प्रतियोगिताएं जारी रहें। क्रिकेट विशेष रूप से उपमहाद्वीप में भावनाओं से जुड़ा खेल है। भारत-पाक मैच को करोड़ों लोग देखते हैं और इसे खेल से बढ़कर प्रतिष्ठा की लड़ाई मान लिया जाता है। यही वजह है कि ऐसे मुकाबलों पर राजनीतिक बयान भी तेज हो जाते हैं। लेकिन यह समझना जरूरी है कि खेल प्रतिस्पर्धा का माध्यम है, संघर्ष का नहीं। जब टीमें मैदान पर उतरती हैं तो वे अपने-अपने देश का प्रतिनिधित्व करती हैं, पर खेल की भावना निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा और सम्मान पर आधारित होती है। आज की वैश्विक व्यवस्था में किसी भी देश की वास्तविक ताकत उसकी अर्थव्यवस्था, सामाजिक स्थिरता, शिक्षा, नवाचार और संस्थागत मजबूती से मापी जाती है। स्थायी प्रगति टकराव से नहीं, विकास, सुधार और सहयोग से आती है। भारत ने अपने सार्वजनिक विमर्श में बार-बार यह संदेश दिया है कि उसकी प्राथमिकता विकास, निवेश, वैश्विक साझेदारी और आंतरिक सशक्तिकरण है। क्षेत्रीय शांति भी उसी रास्ते से मजबूत हो सकती है जहां प्रतिस्पर्धा मैदान में हो, युद्ध के मैदान में नहीं। खेल अगर संवाद का दरवाज़ा खोलता है, तो उसे अवसर की तरह देखना चाहिए, खतरे की तरह नहीं।

भारत-बांग्लादेश संबंध के नवीकरण का वक्त

दक्षिण एशिया की राजनीति एक नए मोड़ पर खड़ी है। हालिया चुनावों के बाद बांग्लादेश की सियासत में बड़ा परिवर्तन देखने को मिला है। लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक अनिश्चितता, जनआक्रोश और संस्थागत तनाव के बाद जनता ने मतदान के ज़रिये एक नया जनादेश दिया है। इस जनादेश ने न केवल सत्ता परिवर्तन का रास्ता खोला है, बल्कि क्षेत्रीय कूटनीति—खासतौर पर भारत–बांग्लादेश संबंधों के पुनर्निर्माण का अवसर भी पैदा किया है। यह समय केवल सरकार बदलने का नहीं, बल्कि रिश्तों की भाषा, प्राथमिकताओं और ढांचे को नए सिरे से गढ़ने का है।

संक्रमण काल से स्पष्ट जनादेश तक

अंतरिम व्यवस्था के दौरान मुख्य सलाहकार के रूप में मोहम्मद यूनुस की भूमिका पर अलग-अलग मत हो सकते हैं, लेकिन इतना स्पष्ट है कि उनके कार्यकाल ने देश को चुनावी प्रक्रिया तक पहुंचाने का मार्ग तैयार किया। राजनीतिक उहापोह, आंदोलन और सत्ता-विरोधी माहौल के बीच चुनाव का शांतिपूर्ण संपन्न होना अपने आप में महत्वपूर्ण घटना है। जनता ने भारी संख्या में मतदान कर यह संकेत दिया कि वह राजनीतिक अस्थिरता से बाहर निकलकर स्पष्ट शासन चाहती है। चुनाव परिणामों में सबसे बड़ी सफलता बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी को मिली, जिसने लगभग दो-तिहाई बहुमत के करीब सीटें हासिल कर सत्ता का रास्ता साफ किया। यह जीत केवल सीटों का आंकड़ा नहीं, बल्कि सत्ता संरचना में बदलाव का संकेत है। इस जीत के पीछे पार्टी की विरासत भी जुड़ी है—पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया और पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान की राजनीतिक परंपरा। वर्तमान नेतृत्व में तारिक रहमान की भूमिका निर्णायक मानी जा रही है। हालांकि उनके सामने जनादेश जितना बड़ा है, चुनौतियाँ भी उतनी ही जटिल हैं।

कट्टरपंथ बनाम जनमत

चुनाव का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी रहा कि मतदाताओं ने संतुलन का संकेत दिया। जमात-ए-इस्लामी को सीमित समर्थन मिला, जो यह दर्शाता है कि जनता कट्टर वैचारिक ध्रुवीकरण से दूरी बनाकर चलना चाहती है। यह रुझान बताता है कि मतदाता वैचारिक उग्रता के बजाय व्यावहारिक शासन, आर्थिक राहत और संस्थागत स्थिरता को प्राथमिकता दे रहे हैं। छात्र आंदोलन से उभरे नए चेहरों और दलों को अपेक्षित सफलता नहीं मिली। इसका अर्थ है कि सड़क का आंदोलन और चुनावी राजनीति—दोनों की प्रकृति अलग होती है। जनसमर्थन को संगठन, दृष्टि और स्थिर गठबंधन में बदलना आवश्यक होता है; केवल प्रतीकात्मक नेतृत्व काफी नहीं होता।

एक राजनीतिक युग का अंत

यह चुनाव सामान्य सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि एक राजनीतिक युग के अंत का संकेत है। लंबे समय तक प्रभावी रही अवामी लीग की अनुपस्थिति ने चुनावी मुकाबले को एकतरफा तो बनाया, लेकिन इससे यह भी स्पष्ट हुआ कि जनता पुराने सत्ता मॉडल से आगे बढ़ना चाहती है।

जनादेश तीन स्पष्ट संदेश देता है—

1.सत्ता का अत्यधिक केंद्रीकरण अब स्वीकार्य नहीं।

2.आर्थिक असमानता और बेरोजगारी बड़े चुनावी मुद्दे बन चुके हैं।

3.लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पुनर्स्थापित करने की मांग बढ़ी है।

मतदान प्रतिशत अपेक्षाकृत ऊँचा रहा, जो इस बात का प्रमाण है कि जनता ने चुनाव को औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि परिवर्तन का साधन माना।

बहुमत: ताकत या जिम्मेदारी?

लोकतंत्र में बहुमत दोधारी तलवार है। यह स्थिर शासन दे सकता है, पर यदि यही बहुमत वर्चस्व में बदल जाए तो लोकतांत्रिक संतुलन टूट जाता है। नई सरकार के सामने सबसे बड़ी कसौटी यही होगी कि वह बहुमत को संवाद और सहमति की राजनीति में बदल पाती है या नहीं। यदि संस्थाओं को मजबूत किया गया, न्यायिक स्वतंत्रता को सम्मान मिला, मीडिया और विपक्ष की आवाज सुरक्षित रही—तो यह जनादेश स्थिरता में बदलेगा। अन्यथा वही चक्र दोहर सकता है जिससे निकलने के लिए जनता ने मतदान किया है।

आर्थिक वास्तविकताएँ: चमक और छाया

बांग्लादेश को अक्सर तेज विकास दर के उदाहरण के रूप में पेश किया जाता रहा है, लेकिन जमीनी स्तर पर तस्वीर मिश्रित है। निर्यात आधारित उद्योगों ने वृद्धि दी, पर रोजगार की गुणवत्ता, आय असमानता और महंगाई चिंता का विषय बनी हुई है। ग्रामीण और सीमावर्ती इलाकों में आर्थिक अवसर सीमित हैं। युवा आबादी बड़ी है, पर कौशल और रोजगार के बीच अंतर भी बड़ा है। विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव, आयात लागत और वैश्विक बाजार की अनिश्चितता नई सरकार के लिए चुनौती बन सकती है। यदि नई व्यवस्था केवल मैक्रो-आंकड़ों पर ध्यान देगी और रोजगार-केंद्रित, स्थानीय निवेश आधारित मॉडल नहीं अपनाएगी, तो सामाजिक असंतोष फिर से राजनीतिक अस्थिरता को जन्म दे सकता है।

भारत–बांग्लादेश रिश्तों का बदलता व्याकरण

पिछले दशक में भारत–बांग्लादेश संबंधों ने अभूतपूर्व निकटता देखी। सीमा प्रबंधन, ऊर्जा सहयोग, कनेक्टिविटी, ट्रांजिट, सुरक्षा सहयोग और व्यापार—हर क्षेत्र में साझेदारी बढ़ी। लेकिन आलोचकों का मत रहा कि यह रिश्ता "रणनीतिक साझेदारी" से आगे बढ़कर "रणनीतिक निर्भरता" की ओर झुक गया। सत्ता परिवर्तन के साथ इस रिश्ते की भाषा बदलना स्वाभाविक है। नया नेतृत्व संतुलित विदेश नीति अपनाने की कोशिश करेगा, जहाँ किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता से बचा जाए। इसका अर्थ यह नहीं कि भारत का महत्व घटेगा, बल्कि यह कि संबंध अधिक संतुलित और परस्पर हित आधारित होंगे। भारत को यह समझना होगा कि अब पड़ोस नीति केवल सुरक्षा चश्मे से नहीं चलाई जा सकती। आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयामों को बराबर महत्व देना होगा।

बहुध्रुवीय कूटनीति की ओर झुकाव

नई सरकार बहुध्रुवीय विदेश नीति की ओर बढ़ सकती है, जहाँ भारत के साथ-साथ चीन, खाड़ी देश और दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्र भी समानांतर साझेदार होंगे। क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी—बंदरगाह, लॉजिस्टिक्स, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश के क्षेत्र में। यदि भारत इस प्रतिस्पर्धा को खतरे की तरह देखेगा तो तनाव बढ़ेगा; यदि अवसर की तरह देखेगा तो सहयोग के नए मॉडल विकसित होंगे। प्रतिस्पर्धात्मक सहयोग (competitive cooperation) आने वाले समय की हकीकत है। भारत को यह भी ध्यान रखना होगा कि दक्षिण एशिया में प्रभाव बनाए रखने का तरीका दबाव नहीं, भरोसा है। जो रिश्ते सम्मान और समानता पर आधारित होते हैं, वे ज्यादा टिकाऊ होते हैं।

क्षेत्रीय मंचों की नई भूमिका

क्षेत्रीय सहयोग मंचों को नया जीवन देने की आवश्यकता है। बिम्सटेक जैसे मंच ऊर्जा, समुद्री सुरक्षा, व्यापार और आपदा प्रबंधन में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। भारत और बांग्लादेश यदि इन मंचों पर मिलकर नेतृत्व करते हैं, तो पूरा उपक्षेत्र लाभान्वित होगा। साझा समुद्री हित, ब्लू इकॉनमी, तटीय सुरक्षा और व्यापारिक गलियारे—ये ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ सहयोग प्रतिस्पर्धा से अधिक लाभ देगा।

कूटनीति का लोकतंत्रीकरण

अब समय केवल सरकार-से-सरकार संबंधों का नहीं, बल्कि समाज-से-समाज रिश्तों का है। शिक्षा, संस्कृति, मीडिया, शोध, स्टार्टअप, युवा विनिमय कार्यक्रम—इनके माध्यम से भरोसे की नई नींव रखी जा सकती है। भारत को छात्रवृत्ति, कौशल विकास, टेक्नोलॉजी साझेदारी और स्वास्थ्य सहयोग बढ़ाना चाहिए। सीमा पार के राज्यों और बांग्लादेशी प्रांतों के बीच प्रत्यक्ष आर्थिक और सांस्कृतिक संवाद बढ़ाया जा सकता है। भाषा और सार्वजनिक बयानबाजी में संयम भी आवश्यक है। हर मुद्दे को सुरक्षा संकट की तरह प्रस्तुत करना रिश्तों को खोखला करता है।

सुरक्षा बनाम विश्वास

सीमा, अवैध आव्रजन, तस्करी और कट्टरपंथ—ये वास्तविक मुद्दे हैं, पर इनका समाधान केवल कठोर सुरक्षा दृष्टिकोण से नहीं होगा। संयुक्त तंत्र, साझा डेटा, स्थानीय विकास और समुदाय आधारित पहल अधिक प्रभावी होंगी। यदि हर समस्या को सुरक्षा खतरे के रूप में देखा जाएगा, तो सहयोग का माहौल कमजोर होगा। यदि समस्याओं को साझा चुनौती माना जाएगा, तो समाधान भी साझा होंगे।

नेतृत्व: स्वाभाविक नहीं, अर्जित

दक्षिण एशिया में भारत का नेतृत्व "स्वाभाविक" मान लेने का दौर खत्म हो रहा है। अब नेतृत्व अर्जित करना होगा—बेहतर प्रस्ताव, तेज परियोजना क्रियान्वयन, स्थानीय रोजगार सृजन और पारदर्शी निवेश मॉडल के जरिए। यदि भारत पड़ोस को "प्रभाव क्षेत्र" की तरह देखेगा, तो दूरी बढ़ेगी। यदि "साझा भविष्य" का भागीदार मानेगा, तो निकटता बढ़ेगी। यही इस दौर का सबसे बड़ा कूटनीतिक सबक है।

चीन–पाकिस्तान कारक

क्षेत्रीय समीकरणों में पाकिस्तान और चीन की भूमिका भी बनी रहेगी। बांग्लादेश अपने हितों के अनुसार विभिन्न साझेदारों से जुड़ाव रखेगा। इसे शून्य-योग खेल की तरह देखना भारत के हित में नहीं होगा। बेहतर यह होगा कि भारत अपने प्रस्तावों को अधिक आकर्षक, तेज और स्थानीय जरूरतों के अनुरूप बनाए। बांग्लादेश ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से नया रास्ता चुना है। यह परिवर्तन केवल ढाका की सत्ता तक सीमित नहीं रहेगा; इसका असर पूरे दक्षिण एशिया पर पड़ेगा। नई सरकार के सामने शासन, अर्थव्यवस्था और संस्थागत पुनर्निर्माण की कठिन परीक्षा है। भारत के सामने भी उतनी ही बड़ी परीक्षा है—क्या वह इस बदलाव को संदेह से देखेगा या अवसर के रूप में अपनाएगा? रिश्तों का नवीकरण तभी संभव है जब समानता, सम्मान और साझा हित आधार बनें। इतिहास बताता है—जो देश पड़ोस में लोकतंत्र को अवसर मानते हैं, वे स्थिर रहते हैं; जो उसे खतरा मानते हैं, वे अस्थिर होते हैं। बांग्लादेश ने अपनी दिशा तय कर दी है। अब भारत की बारी है कि वह नई समझ, नई भाषा और नई नीति के साथ आगे बढ़े—ताकि पड़ोस दूरी नहीं, साझेदारी का क्षेत्र बने।

सोशल मीडिया बैन : बच्चों को फायदा या नुकसान

दुनियाभर में बच्चों और किशोरों के बीच सोशल मीडिया का इस्तेमाल बहुत तेज़ी से बढ़ा है। मोबाइल और सस्ते इंटरनेट ने डिजिटल दुनिया को बच्चों की रोज़मर्रा की ज़िंदगी का हिस्सा बना दिया है। अब कई बच्चे कम उम्र में ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर सक्रिय हो जाते हैं। इसी के साथ एक बड़ी बहस खड़ी हो गई है—क्या बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए? क्या इससे उनका भला होगा या नुकसान? यह मुद्दा अब सिर्फ टेक्नोलॉजी का नहीं, बल्कि बच्चों की मानसिक सेहत, परवरिश और सामाजिक विकास से जुड़ा सवाल बन चुका है।

हाल के समय में कई देशों ने बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग को लेकर सख्त रुख दिखाया है। ऑस्ट्रेलिया ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रोक लागू की।

इसके बाद ब्रिटेन और फ्रांस में भी उम्र-सीमा आधारित प्रतिबंध पर कानून आगे बढ़े। अन्य देशों में भी इस तरह के नियमों पर विचार चल रहा है। चीन पहले ही बच्चों के लिए स्क्रीन टाइम सीमा तय कर चुका है, जबकि ब्राजील ने सोशल ऐप्स के लिए आयु सत्यापन अनिवार्य करने की दिशा पकड़ी है। इससे साफ है कि सरकारें अब इसे बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला मान रही हैं।

बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। ब्रिटेन के टेक रेगुलेटर Ofcom के सर्वे के मुताबिक 10 से 12 साल के आधे से ज्यादा बच्चे Snapchat चला रहे हैं, करीब 60 प्रतिशत TikTok पर सक्रिय हैं और 70 प्रतिशत से ज्यादा बच्चे WhatsApp का उपयोग करते हैं। इससे पता चलता है कि प्लेटफॉर्म की तय आयु सीमा व्यवहार में असरदार नहीं है। बच्चे गलत जन्मतिथि डालकर आसानी से अकाउंट बना लेते हैं।

सोशल मीडिया पर बैन लगाने वालों की सबसे बड़ी चिंता बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य है। उनका कहना है कि लाइक, कमेंट और फॉलोवर की दौड़ बच्चों में दबाव, तुलना और हीन भावना बढ़ाती है। कुछ मामलों में आत्महत्या या खतरनाक ऑनलाइन चैलेंज से जुड़े कंटेंट की भूमिका भी सामने आई है। साइबर बुलिंग, ट्रोलिंग और ऑनलाइन ब्लैकमेल जैसे खतरे भी बढ़े हैं। कई पैरेंट्स मानते हैं कि प्लेटफॉर्म की डिजाइन ही ऐसी है कि बच्चे ज्यादा समय तक जुड़े रहें, जिससे लत जैसी स्थिति बन जाती है।

लेकिन विशेषज्ञों का एक बड़ा वर्ग सीधे प्रतिबंध के खिलाफ भी है। उनका तर्क है कि सख्त रोक से बच्चे छुपे रास्ते ढूंढने लगते हैं। कुछ जगहों पर देखा गया कि टीनएजर्स ने उम्र ज्यादा दिखाने के लिए गलत और खतरनाक तरीके अपनाए।

बड़े प्लेटफॉर्म बंद होने पर बच्चे कम सुरक्षित और अनजान साइट्स की ओर भी जा सकते हैं, जहां मॉडरेशन कमजोर होता है। अगर बच्चे 16 साल तक पूरी तरह दूर रखे जाएंगे, तो बाद में बिना समझ और अनुभव के अचानक इस दुनिया में प्रवेश करेंगे, जो और जोखिम भरा हो सकता है। इससे पैरेंट्स को झूठी तसल्ली मिलती है कि बच्चा सुरक्षित है, जबकि पूरी गारंटी नहीं होती।

सोशल मीडिया के कुछ साफ फायदे भी हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कई बच्चे जो अपनी लोकेशन, पहचान या मानसिक हालत की वजह से अलग-थलग महसूस करते हैं, उन्हें ऑनलाइन कम्युनिटी और सपोर्ट मिलता है। यह सीखने, रचनात्मकता दिखाने और अपनी बात रखने का मंच भी देता है। बहुत से युवा खबरें, नए कौशल और अवसर भी इन्हीं प्लेटफॉर्म से पाते हैं। डिजिटल दुनिया आज की हकीकत है, उससे पूरी दूरी संभव नहीं लगती।

रिसर्च भी इस मामले में मिली-जुली तस्वीर दिखाती है। मानसिक स्वास्थ्य से जूझ रहे युवाओं पर हुए एक अध्ययन में पाया गया कि कुछ समय सोशल मीडिया से दूर रहने पर हल्का सुधार दिखा। University of Cambridge से जुड़ी रिसर्चर एमी ओर्बन के अध्ययन में सोशल मीडिया उपयोग और अवसाद जैसे लक्षणों के बीच संबंध मिला, लेकिन कई स्टडी स्वयं दी गई जानकारी पर आधारित हैं, इसलिए निष्कर्ष पूरी तरह अंतिम नहीं माने जाते। अभी यह साफ तौर पर साबित नहीं है कि हर बच्चे के लिए सोशल मीडिया समान रूप से नुकसानदेह है।

टेक कंपनियों की जिम्मेदारी पर भी सवाल उठ रहे हैं। Meta और YouTube जैसे प्लेटफॉर्म के खिलाफ मुकदमे चल रहे हैं कि उनके एल्गोरिद्म बच्चों को ज्यादा देर तक बांधे रखने वाले कंटेंट को बढ़ावा देते हैं। विशेषज्ञ कहते हैं कि कंपनियों को किशोरों के लिए अलग से सुरक्षित डिजाइन, सख्त कंटेंट मॉडरेशन, स्क्रीन टाइम टूल और रिसर्च के लिए डेटा शेयरिंग जैसे कदम उठाने चाहिए।

समाधान शायद पूरी छूट या पूरी रोक—इन दोनों के बीच है। मजबूत आयु सत्यापन, आसान पैरेंटल कंट्रोल, स्कूलों में डिजिटल जागरूकता की शिक्षा, समय सीमा वाले फीचर और उम्र के हिसाब से कंटेंट फिल्टर बेहतर विकल्प हो सकते हैं। परिवार की भूमिका भी अहम है। सिर्फ फोन छीन लेना काफी नहीं, बल्कि बच्चों से खुलकर बात करना और उन्हें सही-गलत समझाना ज्यादा जरूरी है।

आज कई बच्चे बाहर खेलने या दोस्तों से मिलने कम जा पाते हैं। ऐसे में ऑनलाइन स्पेस ही उनका सामाजिक दायरा बन गया है। अगर ऑफलाइन विकल्प मजबूत नहीं होंगे, तो ऑनलाइन दुनिया से पूरी दूरी संभव नहीं होगी। इसलिए जरूरत संतुलित नीति की है—जहां सुरक्षा भी हो और समझदारी भरा उपयोग भी।

आखिरकार असली सवाल यही है कि क्या हम बच्चों को सोशल मीडिया से पूरी तरह दूर रखना चाहते हैं, या सोशल मीडिया को बच्चों के लिए ज्यादा सुरक्षित बनाना चाहते हैं। लंबी अवधि में दूसरा रास्ता ज्यादा व्यावहारिक और असरदार दिखाई देता है।

डीपफेक का धोखा और डिजिटल सख्त नियमों की अनिवार्यता

आज का दौर डिजिटल इंक़लाब का दौर है। मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने जानकारी को सेकंडों में दुनिया के एक कोने से दूसरे कोने तक पहुंचाने की ताकत दे दी है। लेकिन हर नई तकनीक अपने साथ सहूलियत के साथ खतरा भी लेकर आती है। ऐसी ही एक नई और खतरनाक तकनीक है — डीपफेक। यह तकनीक देखने में जितनी चमत्कारिक लगती है, उतनी ही खतरनाक भी साबित हो रही है। डीपफेक के जरिए किसी भी इंसान की तस्वीर, आवाज़ या वीडियो को इस तरह बदला जा सकता है कि असली और नकली में फर्क करना मुश्किल हो जाए। यही वजह है कि अब डिजिटल दुनिया में सख्त नियमों और जागरूकता की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है।

डीपफेक क्या है और कैसे काम करता है

डीपफेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग पर आधारित तकनीक है। इसमें कंप्यूटर एल्गोरिद्म किसी व्यक्ति के चेहरे, आवाज़ और हावभाव का डेटा लेकर एक नया वीडियो या ऑडियो तैयार कर देता है। देखने वाला समझता है कि व्यक्ति वही बोल या कर रहा है, जबकि असल में ऐसा कुछ हुआ ही नहीं होता। पहले फोटो एडिटिंग या वीडियो मॉर्फिंग को पहचानना आसान था, लेकिन डीपफेक इतनी एडवांस तकनीक है कि आम आदमी तो क्या, कई बार एक्सपर्ट भी धोखा खा जाते हैं। यही इसकी सबसे बड़ी चिंता है।

समाज पर बढ़ता खतरा

डीपफेक का सबसे बड़ा नुकसान भरोसे पर पड़ रहा है। समाज का ढांचा भरोसे पर टिका होता है — मीडिया पर भरोसा, नेताओं पर भरोसा, संस्थाओं पर भरोसा और आपसी रिश्तों में भरोसा। जब कोई नकली वीडियो या ऑडियो वायरल होता है, तो वह कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों की सोच बदल सकता है। कई मामलों में देखा गया है कि किसी शख्स का फर्जी वीडियो बनाकर उसे बदनाम किया गया, ब्लैकमेल किया गया या उसकी इज्जत को नुकसान पहुंचाया गया। खासकर महिलाओं के खिलाफ इस तकनीक का गलत इस्तेमाल ज्यादा हो रहा है। नकली वीडियो बनाकर उन्हें मानसिक दबाव में लाया जाता है — यह एक गंभीर सामाजिक जुर्म है।

राजनीति और चुनाव में डीपफेक का दखल

डीपफेक का सबसे खतरनाक असर राजनीति और चुनावी माहौल में देखा जा रहा है। अगर किसी नेता का नकली बयान या वीडियो चुनाव से ठीक पहले वायरल कर दिया जाए, तो उसका असर वोटिंग पर पड़ सकता है। जनता भावनाओं में बहकर फैसला ले सकती है। बाद में सच्चाई सामने आए भी, तो नुकसान हो चुका होता है। इससे लोकतंत्र की बुनियाद कमजोर हो सकती है। गलत जानकारी, अफवाह और भड़काऊ कंटेंट समाज में तनाव और टकराव पैदा कर सकता है। इसलिए चुनावी दौर में डीपफेक एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है।

मीडिया और पत्रकारिता पर असर

डिजिटल मीडिया की ताकत यह है कि वह तुरंत खबर पहुंचाता है। लेकिन यही तेजी कई बार खतरा बन जाती है। अगर कोई डीपफेक वीडियो "ब्रेकिंग न्यूज़" बनकर फैल जाए, तो मीडिया संस्थान भी गलती कर सकते हैं। बाद में खंडन छपता है, मगर पहली खबर का असर ज्यादा गहरा होता है। पत्रकारिता की साख बचाने के लिए अब फैक्ट-चेक, डिजिटल फोरेंसिक और तकनीकी जांच जरूरी हो गई है। मीडिया संस्थानों को नई तकनीक अपनानी होगी ताकि वे नकली कंटेंट को पहचान सकें।

युवाओं और बच्चों पर असर

सोशल मीडिया का सबसे ज्यादा इस्तेमाल युवा और बच्चे करते हैं। वे जो देखते हैं, जल्दी विश्वास कर लेते हैं। डीपफेक के दौर में यह आदत खतरनाक हो सकती है। गलत वीडियो देखकर वे भ्रमित हो सकते हैं, मानसिक दबाव में आ सकते हैं या गलत राय बना सकते हैं। ऑनलाइन बुलिंग, फेक क्लिप और बदनाम करने वाले कंटेंट से बच्चों और किशोरों का मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। इसलिए स्कूल स्तर पर डिजिटल साक्षरता (डिजिटल लिटरेसी) की तालीम देना जरूरी है।

कानून क्यों जरूरी है

तकनीक जितनी तेज़ी से बढ़ी है, कानून उतनी तेजी से अपडेट नहीं हो पाए हैं। कई देशों में अभी भी डीपफेक को लेकर स्पष्ट कानून नहीं हैं। पुराने आईटी कानून हर मामले में पर्याप्त नहीं साबित हो रहे।

जरूरत है ऐसे सख्त डिजिटल कानूनों की जो—

•नकली वीडियो बनाने और फैलाने वालों पर कड़ी सजा तय करें

•प्लेटफॉर्म को जिम्मेदार बनाएं

•पीड़ित को तुरंत राहत दिलाएं

•कंटेंट हटाने की तेज़ प्रक्रिया सुनिश्चित करें

•जांच एजेंसियों को तकनीकी अधिकार दें

कानून का डर ही गलत इस्तेमाल को रोकने का पहला कदम होता है।

टेक कंपनियों की जिम्मेदारी

सोशल मीडिया और वीडियो प्लेटफॉर्म सिर्फ मुनाफा कमाने का जरिया नहीं हैं, उनकी सामाजिक जिम्मेदारी भी है। उन्हें ऐसे टूल विकसित करने चाहिए जो डीपफेक कंटेंट की पहचान कर सकें। ऑटोमैटिक डिटेक्शन सिस्टम, वॉटरमार्किंग, कंटेंट वेरिफिकेशन जैसे कदम जरूरी हैं। साथ ही यूज़र रिपोर्टिंग सिस्टम मजबूत होना चाहिए ताकि कोई भी व्यक्ति फर्जी कंटेंट की शिकायत आसानी से कर सके और उस पर जल्दी कार्रवाई हो।

तकनीकी समाधान भी मौजूद

यह सच है कि डीपफेक तकनीक खतरा है, लेकिन तकनीक ही उसका इलाज भी दे रही है। कई रिसर्च समूह ऐसे सॉफ्टवेयर बना रहे हैं जो वीडियो के पिक्सल पैटर्न, आवाज़ की फ्रीक्वेंसी और चेहरे की हरकतों से पता लगा लेते हैं कि कंटेंट असली है या नकली। डिजिटल सिग्नेचर और ब्लॉकचेन आधारित वेरिफिकेशन सिस्टम भी भविष्य में मददगार हो सकते हैं। इससे कंटेंट की असलियत ट्रैक की जा सकेगी।

डिजिटल साक्षरता सबसे बड़ा बचाव

कानून और तकनीक अपनी जगह जरूरी हैं, लेकिन सबसे मजबूत ढाल है — जागरूक नागरिक। जब तक यूज़र खुद सावधान नहीं होगा, तब तक खतरा बना रहेगा।

हर व्यक्ति को कुछ आदतें अपनानी चाहिए—

•किसी भी सनसनीखेज वीडियो पर तुरंत भरोसा न करें

•शेयर करने से पहले स्रोत देखें

•शक हो तो दूसरी जगह से पुष्टि करें

•आधी-अधूरी क्लिप देखकर राय न बनाएं

•फैक्ट-चेक वेबसाइट का सहारा लें

डिजिटल समझ आज की बुनियादी तालीम का हिस्सा बननी चाहिए।

नैतिकता और इंसानी जिम्मेदारी

हर तकनीक का इस्तेमाल इंसान के हाथ में है। चाकू से फल भी कटता है और नुकसान भी होता है। उसी तरह एआई और डीपफेक का उपयोग फिल्म, शिक्षा और रिसर्च में रचनात्मक कामों के लिए भी हो सकता है। लेकिन जब नीयत गलत हो, तो तकनीक हथियार बन जाती है। हमें डिजिटल नैतिकता पर जोर देना होगा। कंटेंट बनाना आज आसान है, लेकिन जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी है। किसी की इज्जत, करियर या जिंदगी से खिलवाड़ करना सिर्फ "मजाक" नहीं, गंभीर अपराध है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट की 6वीं बैठक आयोजित

- 46 हजार करोड़ रुपये की 10 अल्ट्रा मेगा परियोजनाओं को कस्टमाइज्ड पैकेज की स्वीकृति

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट की 6वीं बैठक आयोजित हुई। इसमें मुख्यमंत्री ने राजस्थान में 46 हजार करोड़ रुपये के निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए विभिन्न सेक्टर की 10 अल्ट्रा मेगा परियोजनाओं को कस्टमाइज्ड पैकेज देने की मंजूरी दी। बैठक में स्वीकृत प्रस्तावों से प्रदेश में 12 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री ने सोलर मॉड्यूल एवं सैल मैन्यूफेक्चरिंग तथा नवीकरणीय ऊर्जा, सीमेंट, माइंस और मिनरल्स, ऑटोमोबाइल, केमिकल, टैक्सटाइल एवं पर्यटन सेक्टर से संबंधित अल्ट्रा मेगा परियोजनाओं को रिप्स के तहत कस्टमाइज्ड पैकेज की स्वीकृति प्रदान की। शर्मा ने मुख्य सचिव को निर्देश दिए कि रिप्स परिलाभ और कस्टमाइज्ड पैकेज प्राप्त करने वाली कंपनियों के निवेश की प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व वृद्धि के साथ प्रदेश में रोजगार सृजन हमारी प्राथमिकता है।

राइजिंग राजस्थान एमओयू प्रगति की हो जिलेवार मॉनिटरिंग-

शर्मा ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए एमओयू की जिलेवार प्रगति की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने 'एक जिला-एक उत्पाद' (ओडीओपी) को और अधिक प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रदेश की हस्तशिल्प कला को प्रोत्साहित करने के लिए प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों पर विक्रय हेतु विशेष स्थान चिन्हित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नवीन पर्यटन स्थलों को भी बढ़ावा दिया जाए। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव उद्योग शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गलरिया, आयुक्त बीआईपी सुरेश कुमार ओला, अतिरिक्त आयुक्त बीआईपी जुगल किशोर मीना सहित बीआईपी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

जयपुर में 16 फरवरी को "पैगाम-ए-मोहब्बत" सद्भावना सम्मेलन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (अल्पसंख्यक विभाग) की ओर से 16 फरवरी, सोमवार को सुबह 11:15 बजे जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में "पैगाम-ए-मोहब्बत" सद्भावना सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। आयोजन का उद्देश्य प्रदेश में भाईचारे, सामाजिक सद्भाव और सर्वधर्म सम्मान के संदेश को मजबूत करना है। पार्टी पदाधिकारियों के अनुसार वर्तमान समय में आपसी विश्वास और संवाद को बढ़ावा देना बेहद जरूरी है।

कई दिग्गज नेता रहेंगे मौजूद:-

सम्मेलन में कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी, राजस्थान कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट, हरीश चौधरी, चिरंजीव राव, पूनम पासवान, शांति धारीवाल, रफीक खान, अमीन कागजी, रोहित बोहरा, रमेश मीणा, डॉ. खानू

खान बुधवाली और सुनील शर्मा सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे।

एमडी चौधरी ने कही बड़ी बात:-

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (अल्पसंख्यक विभाग) के प्रदेशाध्यक्ष एमडी चौधरी ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल राजनीतिक सभा नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द का मंच है। उन्होंने आरोप लगाया कि हाल के वर्षों में कुछ नीतियों और विधेयकों से समाज में विभाजन का माहौल बना है। कांग्रेस इन मुद्दों पर लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से विरोध दर्ज कराते हुए जनता के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष करेगी।

प्रेम और सद्भाव का संदेश:-

एमडी चौधरी ने कहा कि सम्मेलन में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सहित सभी धर्मों के लोग एक साथ बैठकर एकता और भाईचारे का संदेश देंगे। वक्ता संविधान की भावना, सामाजिक समरसता और आपसी सम्मान पर अपने विचार रखेंगे। आयोजन के माध्यम से प्रदेशभर में यह संदेश दिया जाएगा कि नफरत का जवाब प्रेम, संवाद और एकजुटता से दिया जाएगा, ताकि राजस्थान में शांति और सद्भाव का वातावरण मजबूत हो सके।

साध्वी डॉ. कुमुद लता जी महाराज के सान्निध्य में आयोजित 'शांति एवं सद्भाव अनुष्ठान'

-राज्यपाल ने तप, अहिंसा, अपरिग्रह आदि आदर्शों को आत्मसात करने का किया आह्वान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे शनिवार को साध्वी डॉ. कुमुद लता जी महाराज के सानिध्य में आयोजित 'शांति एवं सद्भाव अनुष्ठान' में सम्मिलित हुए। उन्होंने महासती डॉ. कुमुद लता को प्रणाम निवेदित करते हुए उनका आशीर्वाद लिया। बागडे ने इस दौरान कहा कि जैन धर्म नहीं संस्कृति है। उन्होंने जैन धर्म के तप, अहिंसा, अपरिग्रह आदि आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि साधु—साध्वियों के पुण्य प्रताप से ही भारत की धर्म—धरा सदा ज्ञान में संपन्न और समृद्ध रही है। उन्होंने 'शांति एवं सद्भाव अनुष्ठान' को भारतीय संस्कृति की महान परंपरा बताया। राज्यपाल ने कहा कि अनुष्ठान क्रियाकांड नहीं, बल्कि स्वयं को एक अनुशासन में ढालना है। उन्होंने मनुष्य के उत्कर्ष और कल्याण के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ज्ञान केवल सूचनाओं का संग्रह नहीं है, बल्कि ज्ञान वह है जो जीवन को प्रकाशित कर दे। उन्होंने साध्वी डॉ. कुमुद लता जी के जीवन को प्रेरणादायक बताते हुए समाज और धर्म के लिए श्रेष्ठ कार्य करने वाले जनों का अभिनंदन भी किया।

तृतीय निशान पदयात्रा एवं विराट शोभा यात्रा 23 को

-पोस्टर का विमोचन भाजपा नेता उपेन यादव ने किया

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। श्री श्याम परिवार सेवा समिति मनोहरपुर के तत्वावधान में तृतीय निशान पदयात्रा एवं विराट शोभा यात्रा का आयोजन होने जा रहा है जिसका विमोचन भाजपा नेता उपेंद्र यादव के द्वारा किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार विमोचन कार्यक्रम में बजरंग दल अध्यक्ष डी.के सोनी, अशोक गुर्जर विमल, केशुका सिमरन बाई, राकेश सुराका, राहुल सैनी, ऋतिक बंधवाला, सुनील संघी, विष्णु संघी, देवांश हलवाई, मुकेश सैनी, निर्मल, रमेश, रोहित, विमल केशुका, मनीष कुमावत, राकेश मिश्रा, नितेश, नवल बुटोल आदि उपस्तिथ थे।

जयपुर पुलिस आयुक्त ने एसीपी कार्यालय झोटवाडा में जनसुनवाई कर परिवादियों को दी राहत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल ने शनिवार को एसीपी कार्यालय झोटवाडा में जनसुनवाई कर परिवादियों की समस्याएं सुनी और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश भी दिए। इस दौरान विशेष पुलिस आयुक्त ऑपरेशंस राहुल प्रकाश,अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रथम मनीष अग्रवाल, पुलिस उपायुक्त पश्चिम हनुमान प्रसाद मीणा, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पश्चिम एवं सहायक पुलिस आयुक्त झोटवाड़ा व संबंधित एसएचओ और थाने के अधिकारीगण उपस्थित रहे। सचिन मित्तल ने कहा कि जनसुनवाई के दौरान कई परिवादियों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया है। उन्होंने कहा कि आमजन को राहत देने के लिए थाना स्तर में प्रतिदिन जनसुनवाई की जा रही है। पुलिस आयुक्त ने बताया कि जनसुनवाई के दौरान क्षेत्र में आपसी मुकदमें, पारिवारिक विवाद, जमीनी विवाद, मकानों पर कब्जे, अवैध कब्जे, चोरी, मारपीट सहित अन्य शिकायतें प्राप्त हुई। उन्होंने सभी शिकायतों की जांच कर कम से कम समय में निश्चित समयावधि में निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबधित अधिकारियों को परिवादियों की समस्याओं का तुरंत रिस्पॉन्स देने और निस्तारण करने के भी निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान पुलिस थाना झोटवाड़ा,करधनी,खोराबीसल, कालवाड़ एवं मुरलीपुरा क्षेत्र के परिवादियों ने अपनी समस्याएं पुलिस आयुक्त को बताकर समाधान पाया। जनसुनवाई की खास बात यह रही कि परिवादियों की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया जाता है। समय लगने वाली अन्य समस्याओं के जल्द समाधान के लिए भी निर्देश दिया जाता है।

इल्म के जरिए दीन और दुनियां को बनाए - रिय्याज़ लोहांनी

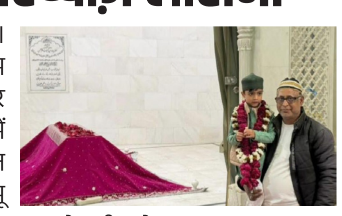

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर में स्तिथ हिन्द मुस्लिम एकता के प्रतीक हजरत मीर जी के बाग की दरगाह में पीर ओ मुर्शद हबीबुर्रहमान नियाजी साहब द्वारा चौमू रावण गेट जामा मस्जिद के पास में रहने वाले रिय्याज़ खान लोहानी के नवासे खुसरो सुल्तान खान को बिस्मिल्लाह पढ़ाई गई। बिस्मिल्लाह पढ़ाने की रस्म की अदायगी के बाद अब्दुल अज़ीज़ लोहानी, मोहम्मद अल्ताफ़ खान लोहानी, मोहम्मद रफ़ीक़ खान लोहानी, रिय्याज खान लोहानी, फैयाज़ खान लोहानी सभी लोहानी बंधुओ ने खुसरो सुल्तान खान को बधाइयां दी हैं।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत राज्यभर में कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना अंतर्गत स्वीकृत जलग्रहण परियोजनाओं में शनिवार को राज्यभर की ग्राम पंचायतों में एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। जलग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग के निदेशक मुहम्मद जुनेद ने बताया कि इन कार्यक्रमों का उद्देश्य कृषकों को जल एवं मृदा संरक्षण सहित कृषि एवं आजीविका से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक करना है।

"कृषक जागृति से उन्नति की ओर" की भावना के साथ प्रशिक्षण-

निदेशक ने बताया कि "कृषक जागृति से उन्नति की ओर" की अवधारणा के तहत आयोजित इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में परियोजना क्षेत्रों के स्थानीय कृषकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान विषय-विशेषज्ञों द्वारा जल एवं मृदा संरक्षण, कृषि, पशुपालन तथा आजीविका संवर्धन जैसे उपयोगी विषयों पर व्यावहारिक एवं तकनीकी जानकारी प्रदान की गई।

30 जिलों में 109 प्रशिक्षण कार्यक्रम, 5450 कृषक हुए लाभान्वित-

जुनेद ने बताया कि कृषकों को उनके स्थानीय क्षेत्र में ही विषय-विशेषज्ञों के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान करने की यह पहल अधिकाधिक कृषकों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से की जा रही है। उन्होंने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में प्रत्येक परियोजना क्षेत्र में न्यूनतम पांच प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाने की कार्य योजना तैयार की गई है, जिसका शुभारंभ शनिवार को एक साथ पूरे राज्य में किया गया। उन्होंने जानकारी दी कि शनिवार को राज्य के 30 जिलों में कुल 109 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें लगभग 5450 कृषकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। निदेशक ने विश्वास व्यक्त किया कि इस पहल से किसानों में जागरूकता बढ़ेगी तथा स्थानीय स्तर पर उपयोगी जानकारी प्राप्त होने से उनकी आय एवं आजीविका में सकारात्मक सुधार होगा।

जयपुर में 17 फरवरी को होगा कैम्पस प्लेसमेंट शिविर का आयोजन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भजनलाल शर्मा की मंशानुसार युवाओं को अधिकाधिक रोजगार अवसर उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशों की अनुपालना में उप प्रादेशिक रोजगार कार्यालय, जयपुर द्वारा 17 फरवरी 2026 को सिरसी रोड स्थित भूषण औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान परिसर में एक दिवसीय कैम्पस प्लेसमेंट शिविर का आयोजन किया जाएगा। विभाग की उपनिदेशक श्रीमती नवरेखा ने बताया कि इस शिविर में निजी क्षेत्र के संस्थान भाग लेकर रोजगार, स्वरोजगार, प्रशिक्षण एवं कैरियर मार्गदर्शन से संबंधित अवसर प्रदान करेंगे तथा योग्य अभ्यर्थियों का मौके पर चयन किया जाएगा। उन्होंने जानकारी दी कि निर्माण, रिटेल, स्टाफिंग, मार्केटिंग, कॉल सेंटर सहित विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित 20 निजी नियोजक लगभग 700 रिक्तियों के साथ इस शिविर में भाग लेंगे। यह आयोजन युवाओं के लिए एक सशक्त रोजगार मंच सिद्ध होगा। श्रीमती नवरेखा के अनुसार दसवीं, बारहवीं, स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा एवं आईटीआई सहित विभिन्न योग्यताओं वाले अभ्यर्थियों के लिए अवसर उपलब्ध रहेंगे। सभी पात्र अभ्यर्थियों से आग्रह है कि वे अपने शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों के साथ शिविर में उपस्थित होकर अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

लोगों को जागरूक करके ही मूल्य आधारित समाज की स्थापना की जा सकती है - केंद्रीय मंत्री मेघवाल

- 90वें त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव में शामिल हुए केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ चारों दिशाओं में शिव का सात्विक तत्व फैला रही है। आज हम सभी को सबसे ज्यादा जरूरत मूल्य आधारित समाज बनाने की है। इसके लिए समाज को जागरूक करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा सात्विक मूल्यों की ताकत भारत में ही विद्यमान है। मेघवाल ने कहा कि जो आध्यात्मिक ज्ञान भारत के पास है वह विश्व के दूसरे देशों के पास नहीं है। भारत ही एकमात्र ऐसा देश है जो आध्यात्मिकता को लेकर नेतृत्व कर सकता है। मेघवाल सिरोही जिले के आबूरोड़ में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की स्थापना के 90 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित 90वें त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। संस्थान द्वारा देश-विदेश में 90वां त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। महाशिवरात्रि पर विश्वभर में 51 हजार कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्यालय शांतिवन में शनिवार को आयोजित मुख्य कार्यक्रम में केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने शिवलिंग पर जल और दूध से अभिषेक कर पूजन किया। महोत्सव में मप्र और छग से आए हजारों लोग मौजूद रहे।

हमारी सरकार दंड संहिता से न्याय संहिता लाई-

केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने कहा कि आज देश के कानूनों में तेजी से सुधार हो रहा है। अब तक अंग्रेजों के बनाए कानून चल रहे थे। लेकिन हमारी सरकार ने अंग्रेजों के समय के कानूनों को बदला है। अब पूरे देश में भारतीय दंड संहिता की जगह भारतीय न्याय संहिता लागू हो गई है तथा दूसरे आपराधिक कानूनों को भी भारतीय परिप्रेक्ष्य के अनुसार बनाकर लागू किया गया है।

मंत्री जोराराम कुमावत ने किया दो उप स्वास्थ्य केंद्रों सहित विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन—शिलान्यास

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पाली जिले की सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के प्रवास के दौरान शनिवार को पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने ग्राम पंचायत अनोपपुरा में 23 विकास कार्यों का उद्घाटन—शिलान्यास किया। इसके अतिरिक्त, कुमावत ने ग्राम पंचायत अनोपपुरा व इसी पंचायत के गांव भाचुंदा में नवनिर्मित उप स्वास्थ्य केंद्र के भवनों का भी फीता काटकर लोकार्पण किया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत 55-55 लाख रुपए की लागत से बने इस भवनों में चिकित्सीय सेवाएं प्रारंभ होने से रोगियों को सुविधा होगी। कुमावत ने कहा कि दोनों उप स्वास्थ्य केंद्रों के भवन बेहद जर्जर होने के कारण उनका संचालन किराये के भवनों में हो रहा था। ग्रामीणों ने गांव में चिकित्सा सुविधाओं की कमी से अवगत कराया था। आम जनता और दूरदराज की ढाणियों के लोगों को पूरी सुविधा नहीं मिल पा रही थी। गर्भवती महिलाओं सहित ग्रामीणों को चिकित्सा सुविधा के लिए 4 किलोमीटर दूर स्थित चाणोद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जाना पड़ता था। अब इन नए केंद्रों का विधिवत रूप से संचालन शुरू हो गया है। इससे क्षेत्र के लोगों को प्राथमिक उपचार के लिए अब दूसरे स्थानों पर नहीं जाना पड़ेगा। इन उप स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। कुमावत ने अनोपपुरा ग्राम पंचायत में 34 लाख रुपए की लागत से बनी सीसी रोड का लोकार्पण, 110 लाख रुपए की लागत से अनोपपुरा से बिठुड़ा तक तथा 65 लाख रुपए की लागत से बनने वाली ग्राम बिठुड़ा से नवा गुड़ा तक सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। उन्होंने 68.77 लाख रुपए की लागत से जल जीवन मिशन के तहत निर्मित टंकी व पाइपलाइन कार्य तथा ग्राम बिछुड़ा व अनोपपुरा के मध्य विधायक निधि से 10 लाख रुपए की लागत से बनी पुलिया का लोकार्पण किया गया। साथ ही मंत्री कुमावत ने 92 लाख 33 हजार रुपए की लागत से विधायक कोष व वित्त आयोग पंचायती राज मद से हुए 21 विकास कार्यों का भी उद्घाटन किया।

महिला सशक्तीकरण और समग्र विकास का रोडमैप: बजट 2026-27 से प्रदेश को नई दिशा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य बजट–2026-27 के संबंध में ब्यावर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने बजट की प्रमुख विशेषताओं पर विधानसभावार एवं जिले के समग्र विकास के संदर्भ में विस्तार से जानकारी दी। कैबिनेट मंत्री गहलोत ने बजट–2026-27 को महिला सशक्तीकरण का दर्पण बताते हुए कहा कि केंद्र एवं राज्य स्तर पर महिला वित्त मंत्रियों द्वारा बजट प्रस्तुत किया जाना महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के नवगठित आठ जिलों में मिनी सचिवालय एवं अन्य प्रमुख कार्यालयों के भवन निर्माण, 94 नवीन पंचायत समितियों तथा 3 हजार 467 ग्राम पंचायतों में आधारभूत संरचना से जुड़े विभिन्न विकास कार्य 3 हजार करोड़ रुपये की लागत से करवाए जाएंगे। साथ ही नवगठित जिलों में एससी/एसटी वृत्त कार्यालय, मानव तस्करी विरोधी (AHT) यूनिट्स तथा अभय कमाण्ड सेंटर की स्थापना एवं आधारभूत विकास के लिए 40 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि राज्य के सभी जिला मुख्यालयों पर उन्नत 'नमो नर्सरी' स्थापित की जाएगी तथा पंचायत समिति स्तर पर चरणबद्ध रूप से 'नमो वन' विकसित किए जाएंगे। ब्यावर सहित 16 जिलों में मॉडल उद्यान 'Oxyzones" के रूप में विकसित करने हेतु 32 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। ब्यावर जिले के लिए प्रमुख घोषणाओं में राजकुमारी अमृतकौर जिला चिकित्सालय में आधारभूत संरचना एवं सीवरेज कार्य हेतु 15 करोड़ रुपये, बड़ाखेड़ा-ब्यावर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में क्रमोन्नत करना, जवाजा ब्लॉक सहित विभिन्न क्षेत्रों में तालाबों की मरम्मत एवं नहरों के जीर्णोद्धार हेतु 35 करोड़ रुपये का प्रावधान शामिल है। इसके अतिरिक्त, सम्राट पृथ्वीराज चौहान खेल स्टेडियम के विकास कार्य, सेवारत सैनिकों, पूर्व सैनिकों एवं वीरांगनाओं के लिए ब्यावर में इंटीग्रेटेड सैनिक कॉम्प्लेक्स की स्थापना, जैतारण–बलाड़ा–बलुपुरा सड़क निर्माण तथा बिजयनगर से ब्यावर तक इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम आधारित सड़क सुदृढ़ीकरण कार्य भी बजट में शामिल हैं। मंत्री गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है तथा यह बजट 'विकसित भारत' की संकल्पना को साकार करने की दिशा में दूरदर्शी पहल है।

नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर 16 फरवरी से

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । जयपुर के चांद बिहारी, खातीपुरा, (शनि मंदिर के पास) स्थित सियाराम हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर में दिनांक 16 फरवरी से 22 फरवरी 2026 समय 12 से 2 बजे तक नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया जा रहा है । जिसमें डॉ. विजय सिंह शेखावत MBBS., MD (General Physician) की पूर्णत: सेवायें उपलब्ध रहेंगी । शिविर में ब्लड प्रेशर (BP), शुगर (मधुमेह), थायरॉइड की जाँचें बहुत ही रियायती शुल्क में की जवेंगी एवं डॉक्टर्स का परामर्श एक दम नि:शुल्क होगा । यदि किसी व्यक्ति को सिरदर्द, चक्कर, कमजोरी, थकान, वजन में बदलाव, बाल झड़ना या BP/ शुगर/थायरॉइड की समस्या है तो परामर्श लेने से न चूकें । शिविर में मोबाइल नं. +91 8769550750 पर भी अपना नंबर बुक करवाया जा सकता है । आपातकालीन सुविधा के लिए +91 7737020770, +91 6377086799, +919602638344 पर भी संपर्क किया जा सकता है ।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

घमूड़वाली थाना पुलिस की रात्रि गश्त तेज, गांव-गांव और खेतों तक सघन निगरानी

विनोद सोखल

घमूड़वाली (रॉयल पत्रिका)। क्षेत्र में बढ़ती चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए राजेंद्र सिंह (सीआई), थानाधिकारी घमूड़वाली, स्वयं डीओ के साथ रात्रि गश्त पर निकले। रिडमलसर-लालेवाला क्षेत्र का वीडियो सामने आया है, जिसमें पुलिस टीम नहर किनारे, खेतों के रास्तों और ग्रामीण मार्गों पर सघन निगरानी करती दिखाई दे रही है। पुलिस टीम ने पूरे थाना क्षेत्र में घमूड़वाली, बिंझबायला, हुनतपुरा, फरसेवाला, जीवनदेसर, रिडमलसर, लालेवाला, 58 एलएनपी, रतनपुरा, जोड़किया, मंझुवास, साबुकी मोड़, 5 केके सहित आसपास के गांवों में गश्त की। खासकर खेतों के आसपास जाने वाले रास्तों और सुनसान स्थानों पर विशेष चौकसी बरती गई। रात्रि गश्त के दौरान प्रत्येक संदिग्ध व्यक्ति की जांच की गई तथा संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। पुलिस का कहना है कि चोरी की वारदातों की रोकथाम और अपराधियों की धरपकड़ के लिए लगातार कार्रवाई जारी है और कई मामलों का खुलासा भी किया जा चुका है। सीआई राजेंद्र सिंह के नेतृत्व में नशे के विरुद्ध चल रही कार्रवाई और चोरी के मामलों में त्वरित खुलासों से क्षेत्र में पुलिस के प्रति भरोसा बढ़ा है। आमजन और किसान वर्ग ने थाने में त्वरित सुनवाई और सक्रिय पुलिसिंग की सराहना की है। क्षेत्रीय मीडिया भी पुलिस के साथ जनजागरूकता अभियान में सक्रिय भूमिका निभा रहा है, जिससे अपराधियों के हौसले पस्त हुए हैं और ग्रामीण इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हुई है।

जयपुर में सियासी हलचल:

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष टीटी ने ऊर्जा मंत्री से की अहम मुलाकात

- ऊर्जा क्षेत्र के मुद्दों पर हुई सकारात्मक और सार्थक चर्चा

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर में राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर एक अहम मुलाकात देखने को मिली। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री सुरेंद्र पाल सिंह टीटी ने ऊर्जा मंत्री हिरा लाल नागर से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर पंजाब के पूर्व मंत्री सुरजीत ज्याणी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान प्रदेश में ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक एवं सार्थक चर्चा हुई। सूत्रों के अनुसार बिजली आपूर्ति, ऊर्जा ढांचे के सुदृढ़ीकरण और आगामी योजनाओं को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

प्रदेशहित के मुद्दों पर समन्वय:-
मुलाकात को प्रदेश के ऊर्जा विकास के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पार्टी संगठन और सरकार के बीच समन्वय को मजबूत करने की दिशा में भी यह बैठक अहम मानी जा रही है। राजनीतिक हलकों में इस भेंट को आगामी योजनाओं और ऊर्जा सुधारों से जोड़कर देखा जा रहा है। फिलहाल इस बैठक को शिष्टाचार भेंट बताया गया है, लेकिन ऊर्जा क्षेत्र में संभावित निर्णयों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

शिक्षा और ग्रामीण विकास पर मंथन:

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेन्द्रपाल सिंह टीटी की शिक्षा मंत्री मदन दिलावर से शिष्टाचार भेंट

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर में महत्वपूर्ण राजनीतिक मुलाकात के दौरान सुरेन्द्रपाल सिंह टीटी, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री, ने शिक्षा मंत्री एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश महामंत्री कैलाश मेघवाल तथा श्रीगंगानगर की पूर्व जिला प्रमुख कविता रेगर भी मौजूद रहीं।

इन मुद्दों पर हुई विस्तृत चर्चा:-
भेंट के दौरान प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने, विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार, शिक्षकों की उपलब्धता तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने जैसे विषयों पर गंभीर चर्चा की गई। इसके साथ ही पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाने, ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, पारदर्शिता और जनभागीदारी बढ़ाने पर भी विचार-विमर्श हुआ।

विकास और जनहित सर्वोपरि:-
बैठक में प्रदेश के सर्वांगीण विकास और जनहित के मुद्दों पर निरंतर समन्वय एवं संवाद बनाए रखने पर सहमति बनी। नेताओं ने कहा कि शिक्षा और ग्रामीण सशक्तिकरण ही मजबूत और विकसित राजस्थान की आधारशिला है। प्रदेश में विकास की गति को और तेज करने के लिए सरकार और संगठन के बीच संवाद का यह क्रम आगे भी जारी रहेगा।

सरस्वती शिक्षण समूह, बींझबायला में तृतीय ओपन शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर/बींझबायला (रॉयल पत्रिका)। सरस्वती शिक्षण समूह, बींझबायला में तृतीय ओपन शतरंज प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 107 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता को सब जूनियर, जूनियर एवं सीनियर — तीन वर्गों में आयोजित किया गया। सब जूनियर वर्ग में मान्या खालिया (2 के. एच.एन.) ने प्रथम स्थान तथा आशीष यादव (साबू की मोड़) ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जूनियर वर्ग में हरिओम जालप (बींझबायला) ने प्रथम और कनिष्क सोनी (घमूड़वाली) ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। सीनियर (छात्रा) वर्ग में महक कौशिक (बींझबायला) ने प्रथम तथा मीनाक्षी कड़वासरा (बींझबायला) ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं सीनियर (छात्र) वर्ग में जसकीरत सिंह (गणेशगढ़) ने प्रथम और रॉबिन बिश्नोई(जोड़किया) ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता के मुख्य प्रभारी सुखविंद्र सरपाल तथा सहायक प्रभारी के रूप में नरेंद्र करड़वाल, गुरदर्शन सिंह, तरसेम सिंह, राकेश भादू और जगजीत औलख ने अपनी सेवाएँ दीं। प्रतियोगिता का उद्घाटन सहायक प्रबंधक(अकादमिक) डॉ. अन्नपूर्णा खालिया व श्रीमती सुमन नेहरा द्वारा किया गया। डॉ. खालिया ने खिलाड़ियों को शुभकामना देते हुए कहा कि शतरंज प्रतियोगिता केवल जीत हार का मंच नहीं है बल्कि धैर्य, एकाग्रता और रणनीति की परीक्षा है। शतरंज हमें सिखाता है कि हर चाल सोच-समझकर चलनी होती है, क्योंकि जीवन भी एक शतरंज की तरह है—जहाँ हर निर्णय हमारा भविष्य बनाता है।
समापन समारोह के अवसर पर प्रधानाचार्य ओम प्रकाश खुड़िया व राजदीप बराड़ उपस्थित रहे। डॉ. अन्नपूर्णा खालिया ने इस प्रतियोगिता में शामिल होने वाले खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप सभी को इस चैस प्रतियोगिता में शानदार सफलता प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ। आपकी मेहनत, धैर्य, एकाग्रता और उत्कृष्ट रणनीति ने यह सिद्ध कर दिया है कि निरंतर अभ्यास से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। आपकी यह जीत केवल एक प्रतियोगिता की नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, संयम और दृढ़ संकल्प की जीत है। आपने अपने विद्यालय, माता-पिता और गुरुजनों का नाम गर्व से ऊँचा किया है। प्रतियोगिता में विद्यालय के विद्यार्थियों के साथ-साथ हनुमानगढ़ एवं श्रीगंगानगर जिले के विभिन्न विद्यालयों से आए विद्यार्थियों ने भी भाग लिया। अंत में सभी विजेता विद्यार्थियों को मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

महवा में निकाली शिव यात्रा, शहीदों को दी श्रद्धांजलि

-पुलवामा हमले में शहीद हुए जवानों की याद में आयोजित हुआ कार्यक्रम

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका) । महवा में विधानसभा क्षेत्र की आम जनता ने शहीद स्मारक पर पुलवामा में शहीद हुए भारत माता के जवानों के लिए शहीद स्थल पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद पूर्व विधायक ओमप्रकाश हुडला ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ तिरंगे झंडे को हाथ में लेकर देश भक्ति गीतों के साथ शिव यात्रा निकाली, जो शनि मंदिर, मुख्य बाजार, गणेश मंदिर, किले वाली देवी होकर बडा महादेव मंदिर पर पहुंची। इस दौरान भगवान शिव की जीवंत झांकी थी। महवा के बडा महादेव मंदिर पर जलधारा का कार्यक्रम रखा गया, जिसमें हजारों लोगों ने भाग लिया। पूर्व मंत्री डॉ. ओमप्रकाश हुडला ने कहा कि भारतीय संस्कृति में भगवान शिव की महिमा अपरम्पार है। उन्होंने कहा कि पुलवामा हमले में शहीद हुए जवानों की शहादत देश का प्रत्येक बच्चा मरते दम तक याद रखेगा। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी महवा अध्यक्ष दिनेश पाटोली, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मण्डावर रामहरी मीना, विष्णु कुशवाह, राजू बैरवा रामगढ, सहित हजारों लोग मौजूद थे।

मोहम्मद अली पठान पत्रकार को मातृ शोक

चूरू (रॉयल पत्रिका) । रॉयल पत्रिका समाचार पत्र के चूरू के ब्यूरो चीफ मोहम्मद अली पठान की माताजी का बरोज़ शनिवार 14 फरवरी, 2026 को सुबह इंतक़ाल हो गया। उनके जनाजे में सैंकड़ों की संख्या में सर्व समाज के लोगों ने हिस्सा लिया। उनका जनाजा बाद नमाज मगरिब नई कब्रिस्तान सैयदना तौकीर हसन में सुपुर्द-ए-ख़ाक किया गया। उनकी माताजी की उम्र 80 वर्ष के लगभग थी। आप पीछे पोता, पोती, पड़पोता, पोती, भरा-पूरा परिवार छोड़ गईं हैं। उनके सेम की फातिहा रविवार

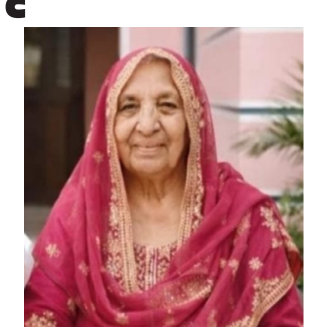

15 फरवरी, 2026 को सुबह 10: 00 बजे उनके निवास स्थान- कृषि उपज मंडी के पीछे, तुगलक नगर से आगे फैजाने-रसूल मस्जिद के पीछे, वार्ड संख्या 4 चूरू में होगी।

महवा की अंबेडकर बस्ती में विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा उपखंड मुख्यालय के अंबेडकर बस्ती में चावड माता मंदिर परिसर पर शनिवार को विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित हुआ। इस दौरान माता-बहनों द्वारा विशाल कलश यात्रा चावड माता मंदिर से शुरू होकर मुख बाजार होते हुए पुणे चावड माता के मंदिर पहुंची कलश यात्रा में संपूर्ण हिंदू समाज की माता बहनों ने भाग लिया इस दौरान कलश यात्रा का जगह-जगह अनेक सामाजिक संगठनों में धर्म प्रेमी बंधुओ द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत सत्कार किया गया। कलश यात्रा के बाद चावड माता मंदिर परिसर में विशाल हिंदू सम्मेलन आयोजित हुआ। हिंदू सम्मेलन में आई हुई माता बहनों सहित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता नरेश कुमार ने बताया कि हिंदू समाज को जात-पात छुआछूत व भेदभाव जैसी कुरीतियां से ऊपर उठना होगा जिससे समाज का सर्वांगनिक विकास हो सके उन्होंने कहा कि हिंदू समाज को पांच परिवर्तन सामाजिक समरसता कुटुंब प्रबोधन पर्यावरण संरक्षण स्वदेशी व नागरिक कर्तव्य को अपने जीवन में उतरना होगा जिससे हमारे साथ हमारी आने वाली पीढ़ी का सर्वांगनीय विकास हो सके। कार्यक्रम के अध्यक्ष चेतीराम सैनी ने सभी माता बहनों व सम्मेलन में पधारे महानुभावों का आभार प्रकट किया। हिंदू सम्मेलन में भगवान सिंह पुजारी, कन्हैया सैनी, दिनेश सैनी, राम सहाय सैनी, विष्णु सैनी, नरेंद्र गौड़ ,अवधेश शर्मा, खेमचंद किवड़िया, गौरव सोनी, अवधेश अवस्थी सहित सेकड़ो लोग मौजूद रहे।

मोहब्बतपुरा से कौशल्या दास की बावड़ी तक सड़क का कार्य हुआ शुरू

रेनवाल मांजी (रॉयल पत्रिका)। माधोराजपुरा क्षेत्र के मोहब्बतपुरा से कौशल्या दास की बावड़ी तक सड़क निर्माण कार्य शुरू हो गया है। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) ने इस परियोजना के लिए 177.77 लाख रुपए की लागत स्वीकृत की है। यह बहुप्रतीक्षित परियोजना चाकसू विधायक रामावतार बैरवा की अनुशंसा, ग्राम पंचायत मोहब्बतपुरा प्रशासक विमला चौधरी और समाजसेवी जितेंद्र शर्मा के प्रयासों से संभव हुई है। प्रशासक प्रतिनिधि ओमप्रकाश भींचर और समाजसेवी जितेंद्र शर्मा ने विधिवत मुहूर्त कर सड़क कार्य का शुभारंभ किया। इस सड़क के बनने से मोहब्बतपुरा पंचायत के सैकड़ों ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। इससे व्यापार और शिक्षा तक पहुंच आसान होगी, साथ ही आपातकालीन स्थितियों में भी राहत मिलेगी। सड़क कार्य शुरू होने की खबर से ग्रामीणों में उत्साह है। उन्होंने विधायक रामावतार बैरवा का आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों का कहना है कि यह सड़क क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। सड़क निर्माण पूर्ण होने के बाद विधायक द्वारा औपचारिक शिलान्यास भी किया जाएगा। मुहूर्त के अवसर पर ओमप्रकाश भींचर, रविशंकर बैरवा, दौलत सिंह, मदनलाल शर्मा, रामकिशोर शर्मा, सुरेश कुमार शर्मा, समाजसेवी जितेन्द्र शर्मा, शिवपाल खंडेलवाल, सुरेश डोडवाडिया, नवरत्न माहेश्वरी, सीता जांगिड़, लोकेश शर्मा, बद्री बागड़ा, शंकरलाल शर्मा, दिनेश मेहता, दिनेश बागड़ा, विनय शर्मा सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे।

प्रथम चरण के चार्ज अधिकारियों एवं नियमित सहायकों के प्रशिक्षण का समापन

बारां (रॉयल पत्रिका)। जनगणना के अन्तर्गत प्रथम चरण के मकान सूचीकरण तथा मकान गणना का कार्य के लिए जिला स्तरीय अधिकारी, उपखण्ड अधिकारी, चार्ज अधिकारी (तहसीलदार एवं आयुक्त, अधिशासी अधिकारी) के दो दिवसीय प्रशिक्षण 13 फरवरी से 14 फरवरी 2026 एवं इनके नियमित सहायकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 12 से 14 फरवरी का शनिवार को समापन हो गया। जिला जनगणना अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर भंवर लाल जनागल की अध्यक्षता में जनगणना कार्य निदेशालय से नियुक्त राज्य स्तरीय प्रशिक्षक संयुक्त निदेशक अतुल वर्मा, दिलीप कुमार दीक्षित, साक्षी मीणा एवं अपेक्षा जैन द्वारा सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण में सीएमएमएस पोर्टल एचएलबी व एप्लीकेशन के उपयोग सैटेलाइट इमेजरी के आधार पर ब्लॉक सीमा निर्धारण आंकड़ों के संकलन सत्यापन एवं डिजिटल एंट्री संबंधी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उप जिला जनगणना अधिकारी रामप्रसाद बैरवा, सूचना विज्ञान अधिकारी पूनम पाटनी, जितेन्द्र कुमार मीणा, सहायक प्रोग्रामर एवं

जिला जनगणना सेल के सभी कार्मिक एवं चार्ज स्तर (तहसील, नगर परिषद, नगरपालिका) के प्रशिक्षणार्थी एवं उनके नियमित सहायक उपस्थित रहे। अतिरिक्त जिला कलक्टर द्वारा सभी अधिकारियों एवं नियमित सहायकों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनगणना राष्ट्रीय महत्व का कार्य है अतः इसमें किसी प्रकार की लापरवाही या त्रुटि की संभावना नहीं होनी चाहिए। प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त निर्देशों का पूर्णतः पालन करते हुए अपना शत-प्रतिशत देकर कार्य करने के लिए कहा एवं आगामी फील्ड कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया।

वास्तविक लक्ष्य निर्धारित करें, कॉन्सेप्ट समझने पर जोर दें; निरंतर स्मार्ट अभ्यास से मिलेगी सफलता - कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव

-जिला कलेक्टर ने किया कलेक्टर क्लास के विद्यार्थियों से संवाद

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। कलेक्टर क्लास के तहत शनिवार को जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने क्लास में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों से संवाद किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने कलेक्टर से उनकी सफलता की यात्रा, समय प्रबंधन और मोटिवेट रहने के तरीकों के बारे में सवाल किए। जिला कलेक्टर ने कहा कि टाइम टेबल हमेशा दीर्घकालीन योजना के अनुसार बनाएं, दैनिक दिनचर्या के कार्यों को संतुलित समय दें और लक्ष्य वास्तविक रखें। उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि केवल किताब के सामने बैठना पर्याप्त नहीं, बल्कि कॉन्सेप्ट को समझना और अपनाना जरूरी है। डायग्राम व मॉडल की मदद से टॉपिक को समझे। उन्होंने कहा कि रटोगे तो भूल जाओगे, समझोगे तो हर परिस्थिति में उत्तर देने के लिए तैयार रहोगे। जिला कलेक्टर ने कहा कि जब लक्ष्य प्राप्त करने योग्य और वास्तविक होते हैं, तो उन्हें हासिल करने पर आत्मविश्वास स्वतः बढ़ता है, जबकि अवास्तविक लक्ष्य डिमोटिवेट करते हैं। टाइम टेबल में बैकलॉग के लिए भी समय रखें, ताकि छूटे हुए टॉपिक भी कवर किए जा सकें। सेल्फ मोटिवेशन से जुड़े प्रश्न पर उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय व ओलंपिक स्तर के खिलाड़ी भी नियमित अभ्यास करते हैं और निरंतर मेहनत से ही अपने प्रदर्शन को निखारते हैं। इसी तरह विद्यार्थियों को भी स्मार्ट तरीके से लगातार प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि जब तक भीतर महत्वाकांक्षा की आग नहीं जगेगी, तब तक आत्मप्रेरणा नहीं आएगी। अपनी ताकत पहचानें, कमजोरियों में सुधार करें और परिवार, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

बाकी रास्ते समय के साथ खुलते जायेंगे, इसलिए स्मार्ट तरीके से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास दें। इस अवसर पर कलेक्टर ने विद्यार्थियों के सभी प्रश्नों के उत्तर दिए और कलेक्टर क्लास को अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए प्राप्त सुझावों पर भी चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों के लिए तैयार वाचनालय का निरीक्षण भी किया। कार्यक्रम में एनएमपीसी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रामपाल अहरोदिया, सहायक प्रोफेसर डॉ. विनोद खुड़ीवाल, एपीआरओ राजपाल लम्बोरिया, वरिष्ठ अध्यापक उमेश शर्मा और राकेश कड़वासरा सहित अन्य मौजूद रहे। गौरतलब है कि जिले में आर्थिक रूप से कमजोर व ग्रामीण पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क तैयार करने हेतु जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने नवाचार के रूप में 'कलेक्टर क्लास' नामक कोचिंग मॉडल शुरू किया है। इसकी नियमित कक्षाएं 9 फरवरी से टाऊन स्थित राजकीय एनएमपीजी महाविद्यालय में संचालित हो रही हैं, जिसके प्रथम बैच में 76 विद्यार्थियों का नामांकन किया गया है।

स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया एवं आई.डी.बी.आई. बैंक की विशेष प्री-लिटिगेशन लोक अदालत का आयोजन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों की अनुपालना में अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के निर्देशानुसार शनिवार को एडीआर सेंटर सवाई माधोपुर में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया एवं आई.डी.बी.आई. बैंक के ऋण खातों के संबंध में विशेष प्री-लिटिगेशन लोक अदालत का आयोजन किया गया। यह आयोजन आशुतोष सिंह आढ़ा, वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सवाई माधोपुर की अध्यक्षता में किया गया। इसके अतिरिक्त तालुका गंगापुर सिटी, बौंली, खंडार, बामनवास में भी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया एवं

आई.डी.बी.आई. बैंक की विशेष प्री-लिटिगेशन लोक अदालत का आयोजन किया गया, विशेष प्री-लिटिगेशन लोक अदालत हेतु जिले में कुल पांच बैंचों का गठन किया गया। बैंचों द्वारा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया एवं आई.डी.बी.आई. बैंक के प्रतिनिधियों एवं प्रतिवादियों के बीच समझाइश करवाकर प्रकरणों का सौहार्दपूर्ण निस्तारण किया गया। इस दौरान बैंच के सदस्य अक्षय सिंह राजावत, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल भी उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि क्यों मनाई जाती है

महाशिवरात्रि हिंदू धर्म का एक प्रमुख और पवित्र पर्व है, जिसे भगवान शिव की आराधना के लिए मनाया जाता है। फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को आने वाली यह रात्रि आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। लेकिन प्रश्न यह है कि महाशिवरात्रि आखिर क्यों मनाई जाती है?

पौराणिक मान्यताएँ
धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। इसलिए इसे दिव्य मिलन की रात्रि कहा जाता है। एक अन्य मान्यता के अनुसार, इसी रात्रि को भगवान शिव ने तांडव नृत्य किया था, जो सृष्टि के सृजन, पालन और संहार का प्रतीक है। कुछ मान्यताओं में यह भी कहा जाता है कि समुद्र मंथन के दौरान निकले विष को भगवान शिव ने इसी दिन अपने कंठ में धारण किया था, जिससे संसार की रक्षा हुई। इसीलिए उन्हें नीलकंठ कहा जाता है।

आध्यात्मिक महत्व
महाशिवरात्रि केवल धार्मिक अनुष्ठानों का पर्व नहीं है, बल्कि आत्मचिंतन और आत्मसंयम का भी दिन है। इस दिन उपवास और रात्रि जागरण का विशेष महत्व है। 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जाप मन और आत्मा को शुद्ध करने का माध्यम माना जाता है। यह पर्व हमें सिखाता है कि जीवन में अहंकार, क्रोध और नकारात्मकता का त्याग कर सादगी और संतुलन अपनाना चाहिए। भगवान शिव का सरल और विरक्त स्वरूप यही संदेश देता है कि भौतिक सुखों से अधिक महत्वपूर्ण आत्मिक शांति है।

सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि
महाशिवरात्रि सामाजिक एकता और समरसता का भी प्रतीक है। इस दिन सभी वर्गों के लोग बिना भेदभाव के मंदिरों में एकत्र होकर पूजा-अर्चना करते हैं। यह पर्व समाज को जोड़ने का कार्य करता है और सामूहिक आस्था को मजबूत बनाता है। महाशिवरात्रि इसलिए मनाई जाती है ताकि हम भगवान शिव के आदर्शों को अपने जीवन में उतार सकें। यह केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्मजागरण का अवसर है। अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने की प्रेरणा देने वाली यह रात्रि हमें भीतर से मजबूत और सकारात्मक बनाती है। इस पावन अवसर पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने जीवन में सत्य, करुणा और संतुलन को अपनाएँ।

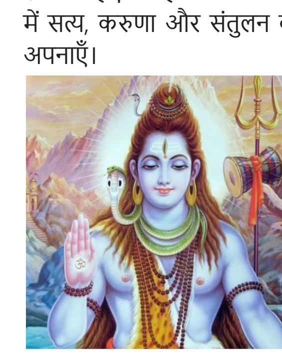

श्रीगंगानगर से विनोद सोखल की कलम से विशेष लेख

प्रावेग की क्यू3 एफवाय26 में स्टैंडअलोन आय 69.46 प्रतिशत और समेकित आय 65.29 प्रतिशत बढ़ी

अहमदाबाद। भारत की अग्रणी इको–रिस्पॉन्सिबल लग्ज़री रिसॉर्ट्स कंपनी प्रावेग लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025–26 की तीसरी तिमाही (क्यू3 एफवाय26) और नौ माह की अवधि के अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की। प्रावेग लिमिटेड के चेयरमैन, विष्णु पटेल ने कहा: क्यू3 एफवाय26 में हमारी आय में मजबूत वृद्धि दर्ज हुई है। स्टैंडअलोन कुल आय 69.46 प्रतिशत बढ़कर 73.68 करोड़ रही, जो हमारे हॉस्पिटैलिटी विस्तार और इवेंट व विज्ञापन सेगमेंट में लगातार बढ़ती मांग का परिणाम है। सभी रिसॉर्ट्स में बेहतर ऑक्यूपेंसी और तिमाही के दौरान उच्च–मूल्य सरकारी व कॉर्पोरेट आयोजनों के सफल संचालन से ईबीआईटीडीए मार्जिन में भी सुधार हुआ है ।हमारी रणनीति अनुशासित विस्तार, परिचालन दक्षता और इको–रिस्पॉन्सिबल लग्ज़री पोर्टफोलियो को मजबूत करने पर केंद्रित है, जिससे प्रावेग को दीर्घकालिक सतत विकास और मूल्य सृजन की दिशा में मजबूती मिल रही है। गुजरात पर्यटन निगम लिमिटेड से केवड़िया स्थित स्टेचू ऑफ़ यूनिटी परिसर में 'राष्ट्रीय एकता दिवस 2025' हेतु अवसंरचना उन्नयन, स्टूडियो किचन एवं थीम पवेलियन विकास के लिए लेटर आफ अवार्ड (एलओए) प्राप्त ।गुजरात पर्यटन निगम लिमिटेड से धोर्डो, कच्छ (गुजरात) में 46 लग्ज़री टेंट (रूम) और 42 डॉर्मिटरी (कुल 252 बेड) के रिसॉर्ट विकास हेतु रु प्राप्त। यह परियोजना 35 वर्षों की कंसेशन अवधि के साथ, कंपनी की मौजूदा 30 भुंगा यूनिट्स के अतिरिक्त है, जिससे धोर्डो में हॉस्पिटैलिटी उपस्थिति और मजबूत होगी। ज़गुजरात सरकार के खेल, युवा सेवा एवं सांस्कृतिक गतिविधि विभाग से 'सरदार पटेल ञ150वीं एकता मार्च – पदयात्रा' (25 नवंबर 2025 से 6 दिसंबर 2025) के क्रियान्वयन हेतु एलओए प्राप्त। पदयात्रा करमसद से शुरू होकर स्टेचू ऑफ़ यूनिटी, केवड़िया पर सम्पन्न हुई।

सैमसंग 25 फरवरी को होस्ट करेगा गैलेक्सी अनपैक्ड

मुंबई, एजेंसी। तैयार हो जाइए एक ऐसे मोबाइल अनुभव के लिए, जो आपकी रोज़ाना की मुश्किलों को खत्म कर देगा। अब आ रही है नई गैलेक्सी स सीरीज़ – जो आपके हर दिन के कामों को बेहद आसान और बेहतर बनाएगी। इसमें 'गैलेक्सी एआई' को इस तरह जोड़ा गया है कि इसे इस्तेमाल करना बहुत ही सहज और सरल होगा, जिससे आपका काम करने का अंदाज़ और भी निखर जाएगा। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स 25 फरवरी को सैन फ्रांसिस्को में गैलेक्सी अनपैक्ड का आयोजन करेगा। हमारे साथ जुड़िए क्योंकि हम सैमसंग के नए गैलेक्सी इनोवेशन्स को पेश करेंगे। यह एआई के युग में एक नए दौर की शुरुआत होगा जहां इंटेलिजेंस वास्तव में पर्सनल एवं एडैप्टिव बन जाएगी। यह इवेंट सैमसंग डाट काम, सैमसंग न्यूज़रूम इंडिया और सैमसंग के यूट्यूब चैनल पर लाइव स्ट्रीम होगा, जो रात 11:30 बजे भारतीय समयानुसार शुरू होगा।

लीबिया में 1 कप चाय की कीमत में मिल रहा 5 लीटर पेट्रोल

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया में सबसे सस्ता पेट्रोल बेचने वाले देशों की लिस्ट में बड़े चौंकाने वाले तथ्य हैं। इन देशों में पेट्रोल की कीमत भारतीय नजरिए से न सिर्फ बहुत कम है, बल्कि कई में तो पेट्रोल की कीमत भारत में बिकने वाले एक कप चाय से भी सस्ती है। लीबिया दुनिया में सबसे सस्ता पेट्रोल बेचने वाला देश है। यहां एक लीटर पेट्रोल की कीमत मात्र 2.15 रुपये है। यानी कए कप चाय की कीमत में करीब 5 लीटर पेट्रोल यहां मिल रहा है। भारत के अधिकतर शहरों में एक कप चाय की कीमत 10 से 15 रुपये के बीच है। इस लिस्ट में ईरान दूसरे स्थान पर है। यहां एक लीटर पेट्रोल की कीमत केवल 2.59 रुपये है। जबकि, सबसे महंगा तेल हांगकांग में 340.53 रुपये लीटर है। यह जानकारी ग्लोबलपेट्रोलप्राइसेज डॉट कॉम के 9 फरवरी 2026 के आंकड़ों पर आधारित है। अगर भारत की बात करें तो आज ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल–डीजल के दाम जारी कर दी हैं। पेट्रोल–डीजल के रेट में कोई बदलवा नहीं हुआ है। देश में सबसे सस्ता पेट्रोल आज भी पोर्ट ब्लेयर में 82.46 प्रति लीटर और डीजल 78.05 प्रति लीटर है। बता दें मार्च 2024 में पेट्रोल–डीजल के दाम 2 प्रति लीटर घटाए गए थे। इसके बाद अब तक कोई बदलाव नहीं हुआ है।

गैस कंपनी को 392 करोड़ का मुनाफा, निवेशकों को डिविडेंड का तोहफा

गैस कंपनी का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट 11 प्रतिशत बढ़कर 392 करोड़ रुपए हो गया

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर मार्केट क्लोज होने के बाद इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के नतीजे 12 फरवरी 2026, गुरुवार को घोषित कर दिए। सरकारी स्वामित्व वाली इस गैस कंपनी का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट 11 प्रतिशत बढ़कर 392 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले साल इसी तिमाही में 352 करोड़ रुपए था। शेयर बाजार को दी गई जानकारी के मुताबिक, कंपनी की मुख्य कारोबार से आय में 8.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 4,489 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। पिछले साल इसी अवधि में यह 4,142 करोड़ रुपए थी। वहीं, कंपनी का कुल खर्च सालाना आधार पर 6.2 प्रतिशत बढ़कर 4,152 करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 3,907 करोड़ रुपए था।

निवेशकों के लिए डिविडेंड का ऐलानन्न इंद्रप्रस्थ गैस के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने निवेशकों को 3.25 रुपए प्रति शेयर डिविडेंड देने की घोषणा की है। इसका मतलब है कि कंपनी में हिस्सेदारी रखने वाले हर पात्र शेयरधारक को उनके पास मौजूद हर शेयर के बदले 3.25 रुपए का भुगतान किया जाएगा। यह भुगतान कंपनी द्वारा तय रिकॉर्ड डेट से एक दिन पहले तक शेयर रखने वाले निवेशकों को मिलेगा।

डिविडेंड का रिकॉर्ड डेट: कंपनी ने बाजार को भेजी सूचना में कहा, बोर्ड की आज हुई बैठक में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 162.5 प्रतिशत यानी 3.25 रुपए प्रति शेयर (फेस वैल्यू 2 रुपए)

का अंतरिम डिविडेंड घोषित किया गया है। इस डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट 19 फरवरी 2026, गुरुवार तय की गई है।

शेयर बाजार में कैसा रहा प्रदर्शन: नतीजे आने से पहले गुरुवार के कारोबारी सत्र में आईजीएल के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। एनएसई के आंकड़ों के मुताबिक, कंपनी का शेयर 4.04 प्रतिशत गिरकर 169.20 रुपए पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव 176.32 रुपए से कम है।

कंपनी ने बाजार बंद होने के बाद अपने नतीजे जारी किए। पिछले पांच साल में आईजीएल के शेयरों में 39 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है, जबकि पिछले तीन साल में यह 23 प्रतिशत लुढ़का है। एक साल के कारोबार में शेयर में 11.23 प्रतिशत की कमजोरी देखी गई है। 2026 में अब तक (साल-दर-साल) शेयर 11.86 प्रतिशत टूट चुका है और पिछले पांच सत्रों में इसमें 2.32 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

एनएसई डेटा के मुताबिक, आईजीएलका शेयर 8 जुलाई 2025 को 229 रुपए के 52-हफ्ते के उच्चतम स्तर पर पहुंचा था, जबकि 12 फरवरी 2026 को यह 169 रुपए के निचले स्तर पर आ गया। गुरुवार के कारोबार के बाद कंपनी का मार्केट कैप 23,688.03 करोड़ रुपए रहा।

कितने बाजार और कस्बे शामिल किए गए

महंगाई का नया पैमाना- नई सीरीज में ई-कॉमर्स-ओटीटी चैनलों का खर्च भी शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। खुदरा महंगाई की गणना के लिए नई श्रृंखला का आगाज गुरुवार को किया गया। इसके लिए आधार वर्ष को 2012 से बदलकर 2024 किया गया है। आधार वर्ष वह संदर्भ वर्ष होता है जिसे तुलना के लिए चुना जाता है। इसके माध्यम से यह आकलन किया जाता है कि कीमतों में कितनी वृद्धि या कमी हुई है।

नई सीरीज में 1,465 ग्रामीण बाजार और 1,395 शहरी बाजार शामिल हैं, जो 434 कस्बों में फैले हुए हैं। इसके अलावा, 25 लाख से अधिक आबादी वाले 12 कस्बों में 12 ऑनलाइन बाजार भी शामिल किए गए हैं। ग्रामीण और शहरी बाजारों से मूल्य डेटा मासिक आधार पर एकत्र किया गया, जबकि ऑनलाइन कीमतें साप्ताहिक आधार पर ली गई हैं।

इसमें ऑनलाइन बाजार क्यों शामिल किए गए : 25 लाख से अधिक आबादी वाले 12 कस्बों में 12 ऑनलाइन बाजार शामिल किए गए हैं, ताकि ई-कॉमर्स और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बिकने वाली वस्तुओं की कीमतों में बदलाव को दर्ज किया जा सके। इसके अलावा हवाई किराया, टेलीफोन और ओटीटी सेवाओं की कीमतें भी ऑनलाइन माध्यम से एकत्र की जा रही हैं। अखिल भारतीय स्तर पर भारित वस्तुओं की संख्या

299 से बढ़कर 358 हो गई है। इनमें वस्तुओं की संख्या 259 से बढ़कर 308 और सेवाओं की संख्या 40 से बढ़कर 50 हो गई है। किराया संग्रह के लिए कुल 19,039 आवासों की पहचान की गई है, जिनमें 15,715 शहरी और 3,324 ग्रामीण आवास शामिल हैं। चेन-आधारित सूचकांक के उपयोग को देखते हुए भविष्य में, उपलब्धता के अनुसार और आवास जोड़े जा सकते हैं। इसमें ग्रामीण आवास का भार 11.764 प्रतिशत है, जिसमें आवास, पानी, बिजली, गैस और अन्य ईंधन शामिल हैं।

क्या हवाई किराए की कीमतों की गणना भी होगी: हवाई किराए की कीमतें प्रसिद्ध ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से एकत्र की जाती हैं। अमेजन प्रइम वीडियो, नेटफ्लिक्स, जियो हॉटस्टर, सोनी लिव जैसी सेवाओं की कीमतें सीधे सेवा प्रदाताओं की वेबसाइट्स से ऑनलाइन एकत्र की जाती हैं। वर्गीकरण प्रणाली अपनाई जाती, तो खाद्य एवं पेय पदार्थों का हिस्सा 45.86 प्रतिशत से घटकर 40.10 प्रतिशत हो जाता। नई वर्गीकरण संरचना के अनुसार इसका हिस्सा 36.75 प्रतिशत है। यह बदलाव संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी प्रभाग के फ्रेमवर्क को अपनाने के कारण हुआ है।

लोन लेने वालों से अब मर्यादा में बात करेंगे रिकवरी एजेंट, कॉल रिकॉर्डिंग जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। अकसर देखा गया है कि लोन की वसूली के लिए रिकवरी एजेंट बदसलूकी करते हैं लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। दरअसल, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने लोन वसूली के लिए बैंक एजेंटों के व्यवहार को बदलने का बेड़ा उठाया है। आरबीआई ने कहा कि रिकवरी एजेंट को लोन लेने वाले व्यक्ति से मर्यादित तरीके से बात करनी होगी। इसके अलावा, कॉल रिकॉर्डिंग भी की जाएगी।

केंद्रीय रिजर्व बैंक ने लोन रिकवरी एजेंट्स की नियुक्ति और उनके कामकाज के नियमन के लिए गुरुवार को नियमों का ड्राफ्ट जारी किया। इसमें एजेंट के लिए ट्रेनिंग अनिवार्य करने और कर्जदारों को किए जाने वाले सभी फोन कॉल की रिकॉर्डिंग का प्रावधान है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि बैंक यह सुनिश्चित करेंगे कि वसूली एजेंट द्वारा उधारकर्ता को किए गए सभी फोन कॉल को रिकॉर्ड किया जाए। इसके साथ ही एजेंट को कर्जदार के साथ सभ्य तरीके से बातचीत करनी होगी।

नियमों के ड्राफ्ट में कहा गया है- बैंक का कर्मचारी या वसूली एजेंट कर्जदार के साथ शालीनता एवं मर्यादा बनाए रखते हुए व्यवहार करेगा और कर्ज वसूली के लिए उधारकर्ता के घर जाने पर भी अपना आचरण संयमित रखेगा। आरबीआई इस पर भी विचार कर रहा है कि वसूली एजेंटों के लिए भारतीय बैंकिंग एवं वित्त संस्थान (आईआईबीएफ) द्वारा संचालित ऋण वसूली प्रशिक्षण को अनिवार्य किया जाए।

बता दें कि रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने पिछले सप्ताह मौद्रिक नीति समीक्षा

की घोषणा करते समय कर्ज वसूली के दौरान एजेंटों के आचरण को नियमित करने के लिए कदम उठाने की बात कही थी। पहले ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं जिनमें वसूली एजेंट के खराब व्यवहार से कर्जदारों को काफी परेशानियां उठानी पड़ीं। इस तरह की घटनाएं सामने आने के बाद आरबीआई ने बैंकों एवं अन्य वित्तीय संस्थानों को संवेदनशीलता बरतने की सलाह दी थी। आरबीआई के ड्राफ्ट में खास तौर पर कहा गया है कि वसूली प्रक्रिया के दौरान अपमानजनक भाषा का प्रयोग या अनुचित संदेश भेजने से परहेज किया जाए। इसके अलावा, किसी परिवार में शोक, विवाह समारोह, त्योहार या अन्य आपदाजनक परिस्थितियों जैसे अनुचित अवसरों पर कर्ज वसूली के प्रयास नहीं किए जाने चाहिए।

नियुक्ति से पहले सत्यापन: आरबीआई ने यह भी कहा कि बैंक यह सुनिश्चित करें कि कर्ज वसूली के लिए नियुक्त एजेंसी अपने प्रतिनिधियों/कर्मचारियों की पृष्ठभूमि का सत्यापन नियुक्ति से पहले और बाद में भी तय अंतराल पर करती रहे। इसके अलावा ऋण बकाया से संबंधित मामला न्यायालय में विचाराधीन होने की स्थिति में बैंक को अपने कर्मचारी या वसूली एजेंट को मामला सौंपने में अत्यधिक सावधानी बरतनी होगी।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने क्यू3 एफवाई 26 के नतीजों की घोषणा की

मुंबई, एजेंसी। भारत के प्रमुख कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड ने आज वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही के नतीजों की घोषणा की। कंपनी ने क्यू3 एफवाई26 में 41.14 अरब का राजस्व दर्ज किया, जबकि क्यू3 एफवाई25 में यह 43.96 अरब था। इस तिमाही में कंपनी का ईबीआईटीडीए मार्जिन 4.8प्रतिशत रहा। त्योहारों के बाद मांग में उम्मीद से कम बढ़त के बावजूद, एलजी इंडिया ने होम अप्लायंसेज और होम एंटरटेनमेंट जैसे मुख्य क्षेत्रों में अपनी बादशाहत बरकरार रखी है। यह कंपनी की ब्रांड मजबूती और ग्राहकों के भरोसे को दर्शाता है।

नतीजों पर अपनी बात रखते हुए एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ सेल्स एवं मार्केटिंग ऑफिसर श्री हांग जू जियोन ने कहा एलजीई इंडिया ने बाहरी कारकों से प्रभावित पिछले सुस्त तिमाही के बावजूद प्रमुख बी2सी खंडों में 1 स्थान बनाए रखा

है। मजबूत आधार, नवाचार पर ध्यान और दीर्घकालिक स्थिरता के बल पर, हमने अपने नए बीईई-रेटेड पोर्टफोलियो को मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया से पुष्टि हुई नई मजबूती के साथ क्यू4 में प्रवेश किया है। जैसे-जैसे गर्मी का मौसम नजदीक आ रहा है, हम अपनी दो-ट्रैक रणनीति के माध्यम से कंप्रेसर उत्पादों की मांग को हासिल करने के लिए तैयार हैं – प्रीमियम और एलजी एसेंशियल दोनों लाइनअप का विस्तार करते हुए। हम अपने उच्च-मार्जिन एएमसी व्यवसाय को बढ़ाने और बी2बी इंफ्रास्ट्रक्चर अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अमेरिकी टैरिफ के युक्तिकरण से मेक इंडिया ग्लोबल के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और गति मिलेगी, क्योंकि हम घरेलू जरूरतों की पूर्ति और निर्यात विस्तार दोनों के लिए उत्पादन का अनुकूलन कर रहे हैं। ये विकास ग्राहकों और शेयरधारकों दोनों को मूल्य प्रदान करने की हमारी क्षमता को रेखांकित करते हैं।

विश्व दलहन दिव पर किसानों के लिए गोदरेज एग्रोवेट का विशेष आउटरीच कार्यक्रम

मुंबई, एजेंसी। भारत की पोषण सुरक्षा, मृदा स्वास्थ्य और ग्रामीण आजीविका में दालों की महत्वपूर्ण भूमिका है। हालांकि, जलवायु परिवर्तन, छोटे खेतों और कीट-बीमारियों की निरंतर प्रकोप के साथ-साथ उन्नत बीजों की कमी के कारण दालों की पैदावार प्रभावित हो रही है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए अब किसानों को जमीनी स्तर पर मजबूती के साथ ठोस उपाय योजनाओं व उनका सहयोग करने की आवश्यकता है। इन चुनौतियों के समाधान के लिए विश्व दलहन दिवस के अवसर पर गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड के क्रॉप प्रोटेक्शन बिजनेस ने एक किसान आउटरीच पहल शुरू की है, जिसका लक्ष्य पांच लाख से अधिक दलहन किसानों तक पहुंचना था। इस पहल के तहत उन्नत कृषि पद्धतियों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनका ध्यान किसानों को सटीक जानकारी देकर टिकाऊ दलहन खेती के लिए सक्षम बनाने पर था। इन प्रशिक्षण सत्रों में अरहर, चना और मूंग जैसी प्रमुख फसलों को शामिल किया गया और विभिन्न क्षेत्रों में आने वाली कृषि चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। किसानों को मिट्टी की सेहत और मौसम के प्रभाव के साथ-साथ फसल के विकास की प्रक्रिया (क्रॉप फिजियोलॉजी), खेती के आधुनिक तरीकों और सीजन के दौरान कीटों से बचाव के व्यावहारिक उपायों के बारे में जागरूक किया गया। इस पहल पर टिप्पणी करते हुए राजवेलु एनके, सीईओ- क्रॉप प्रोटेक्शन बिजनेस, गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड, ने कहा कि दालों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर कृषि ज्ञान की समय पर पहुंच जरूरी है। उन्होंने

बताया कि मिट्टी की गुणवत्ता, फसल के विकास की प्रक्रिया (क्रॉप फिजियोलॉजी) और कीटों के चक्र के बारे में किसानों की समझ मजबूत करने से उन्हें बदलते कृषि परिवेश में सटीक निर्णय लेने में मदद मिल सकती है। विश्व दलहन दिवस की इस पहल के माध्यम से गोदरेज एग्रोवेट ने क्षमता निर्माण और टिकाऊ फसल प्रबंधन को प्रोत्साहित करने के लिए भारतीय किसानों के साथ गहरा जुड़ाव बनाया, जो देश में एक मजबूत दलहन पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में सहायक है।

कोटक महिंद्रा बैंक ने शुरू किया 'सेहत का सफर 4.0'

देश के परिवहन कर्मियों के स्वास्थ्य को मिलेगा नया सहारा

मुंबई, एजेंसी। कोटक महिंद्रा बैंक (केएमबीएल/कोटक) ने अपने प्रमुख कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम 'सेहत का सफर 4.0' के चौथे संस्करण की शुरुआत की घोषणा की है। यह पहल खास तौर पर देश के ट्रक ड्राइवरों, ट्रांसपोर्टरों और उनके परिवारों के लिए निःशुल्क निवारक स्वास्थ्य जांच सुविधा उपलब्ध कराती है।

ये वही लोग हैं जो देश की अर्थव्यवस्था को लगातार गतिशील बनाए रखते हैं, लेकिन अक्सर स्वास्थ्य सुविधाओं तक उनकी पहुंच सीमित रह जाती है। साल 2022 में शुरू हुई यह पहल हर वर्ष विस्तार पाती गई है। अब तक इसके तीन संस्करणों में 75 से अधिक शहरों में 120 से ज्यादा स्वास्थ्य शिविर लगाए जा चुके हैं, जिनसे लगभग 13,500 ड्राइवर लाभान्वित हुए हैं। 'सेहत का सफर 4.0' की शुरुआत 18 दिसंबर 2025 से हो चुकी है और यह 31 मार्च 2026 तक चलेगा। इस अवधि में देश के प्रमुख परिवहन मार्गों पर 45 से अधिक स्वास्थ्य और नेत्र जांच शिविर आयोजित किए जाएंगे। इस वर्ष बैंक का लक्ष्य करीब 4,500 ट्रक ड्राइवरों और उनके परिवारों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने का है, ताकि उन्हें बेहतर स्वास्थ्य के साथ आर्थिक सुरक्षा भी मिल सके। इस पहल के अंतर्गत ओडिशा, असम, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पंजाब सहित कई प्रमुख ट्रांसपोर्ट केंद्रों पर शिविर लगाए जाएंगे। कोटक

महिंद्रा बैंक के प्रेसिडेंट - लॉजिस्टिक्स एवं इंफ्रास्ट्रक्चर, अमित मोहन ने कहा, 'देश का लॉजिस्टिक्स क्षेत्र हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और इसकी मजबूती उन लोगों पर निर्भर करती है जो इसे आगे बढ़ाते हैं। 'सेहत का सफर 4.0' के माध्यम से हम सीधे ट्रांसपोर्ट हब्स तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचा रहे हैं, ताकि ड्राइवर और उनके परिवार समय पर जांच और उपचार का लाभ ले सकें। इससे न केवल उनका स्वास्थ्य बेहतर होगा, बल्कि एक सशक्त और स्वस्थ कार्यबल तैयार होगा, जो देश की सतत आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।' 'सेहत का सफर 4.0' के प्रत्येक शिविर में योग्य डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ और काउंसलर मौजूद रहेंगे। वे स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ जागरूकता कार्यक्रम भी चलाएंगे और ड्राइवरों को संबंधित सरकारी योजनाओं की जानकारी देंगे। लंबी और व्यस्त यात्राओं के कारण ड्राइवरों के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच कराना आसान नहीं होता। ऐसे में प्रमुख परिवहन मार्गों पर शिविर लगाकर यह पहल उनकी इस कठिनाई को दूर करने का प्रयास करती है।

कैलिफोर्निया बादाम में प्रोटीन और आहार फाइबर अच्छी मात्रा में होते हैं: ऋतिका समद्दार

प्यार की एक नई भाषा: वैलेंटाइन का उपहार जो देखभाल और सच्ची भावना को दर्शाए

मुंबई, एजेंसी। वैलेंटाइन डे अब सिर्फ बड़े दिखावे या एक दिन के जश्न तक सीमित नहीं रह गया है। आज गिफ्ट देना ज्यादा व्यक्तिगत, सोच-समझकर और रोज़मर्रा की परवाह से जुड़ा गया है। लोग अब सिर्फ अपने जीवनसाथी ही नहीं, बल्कि दोस्तों, परिवार और खुद को भी इस दिन खास महसूस कराना चाहते हैं। ऐसे में लोग ऐसे उपहार पसंद कर रहे हैं जो दिल से जुड़े हों और रोज़मर्रा के काम भी आएं। इसी बदलाव के साथ अब लोग चॉकलेट और फूलों से आगे बढ़कर नए और बेहतर विकल्प चुन रहे हैं। कैलिफोर्निया बादाम एक समझदारी भरा गिफ्ट विकल्प बनकर उभर रहे हैं – जो बेहतरीन स्वाद के साथ रोज़ की सेहत का भी ख्याल रखते हैं। ये आसानी से दैनिक जीवन का हिस्सा बन जाते हैं, जिससे यह ऐसा तोहफा बनता है जो वैलेंटाइन डे के बाद भी लंबे समय तक खास बना रहता है।

ऋतिका समद्दार, रीजनल हेड - डायटेटिक्स, मैक्स हेल्थकेयर, नई दिल्ली, ने कहा, 'मैं अक्सर दिन की शुरुआत कैलिफोर्निया बादाम से करने की सलाह देती हूँ, क्योंकि इसमें प्रोटीन और आहार फाइबर अच्छी मात्रा में होते हैं।

शीला कृष्णास्वामी, न्यूट्रिशन और वेलनेस कंसल्टेंट ने कहा, 'आज का समझदारी भरा तोहफा वह है जो सेहत और भलाई का समर्थन करे, और बादाम ठीक ऐसा ही तोहफा हो सकते हैं। ये प्राकृतिक रूप से पोषक तत्वों से भरपूर, सुविधाजनक और रोज़मर्रा की दिनचर्या में शामिल करना आसान हैं, खासकर सुबह की आदत के रूप में।

न्यायालय ने धोखाधड़ी के मामले में फिल्म निर्माता विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी को जमानत दी

उच्चतम न्यायालय ने फिल्म निर्माता विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेतांबरी भट्ट को धोखाधड़ी के एक मामले में जमानत दे दी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने उन्हें उदयपुर जेल से तत्काल रिहा करने का आदेश दिया और मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट को जमानत आदेश पारित करने के लिए कहा जिसमें नियम और शर्तें स्पष्ट रूप से बताई गई हों। उच्चतम न्यायालय ने शिकायतकर्ता अजय मुर्डिया और राजस्थान सरकार को भी 19 फरवरी के लिए नोटिस जारी किया। मुर्डिया इंदिरा आईवीएफ एंड फर्टिलिटी सेंटर के संस्थापक और उदयपुर निवासी हैं। राजस्थान उच्च न्यायालय ने 31 जनवरी को धोखाधड़ी के मामले में उनकी जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं। इन दोनों को मुंबई में गिर तार किए जाने के बाद उदयपुर लाया गया था और सात दिसंबर, 2025 को जेल भेजा गया था। उनकी जमानत याचिका खारिज करते हुए उच्च न्यायालय ने टिप्पणी की कि इस स्तर पर आरोपियों को जमानत देना उचित नहीं होगा। शिकायत में आरोप लगाया गया कि एक फिल्म के नाम पर ली गई धनराशि का दुरुपयोग किया गया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि लगभग 30 करोड़ रुपए की धनराशि का गबन किया गया। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि भट्ट परिवार ने विभिन्न नामों से फर्जी बिल तैयार किए और शिकायतकर्ता से धनराशि हस्तांतरित करवाई।

रुबीना दिलैक

संग जब प्रोड्यूसर ने किया था धोखाधड़ी

एक्ट्रेस को बेचना पड़ा था घर व गाड़ी

टीवी की मशहुर एक्ट्रेस और बिग बॉस 14 की विनर रुबीना दिलैक ने अपना एक पुराना किस्सा लोगों से शेयर किया था. इस दौरान उन्होंने बताया था कि किस तरह से एक निर्माता ने उनके साथ 16 लाख का धोखा किया था। रुबीना दिलैक ने अपने करियर की शुरुआत साल 2008 में जीटीवी के सीरियल छोटी बहू से की थी। शो में उन्होंने राधिका का किरदार निभाया था। इस सीरियल और किरदार से रुबीना ने घर-घर पहचान बनाया और काफी मशहूर हुईं। इसके बाद सीरियल शक्ति अस्तित्व के एहसास की में किन्नर का किरदार निभाकर उन्होंने अपने करियर को उंचाईयों तक पहुचाया। इतना ही नहीं रुबीना रियलीटी शो बिग बॉस सीजन 14 में भी हिस्सा लिया जिसमें वे विजेता रहीं। इतना ही रुबीना रियलीटी शो बिग बॉस सीजन 14 में भी हिस्सा लिया जिसमें वे विजेता रहीं। एक्ट्रेस ने बातचीत के दौरान अपना एक पुराना दुख जाहिर किया जिसमें उन्होंने खुलासा करते हुए बताया की साल 2011 में उनका पेमेंट महीनों से बकाया था। पेमेंट को लेकर उन्होंने निर्माता से मिलने की रिक्वेस्ट की। इसी दौरान प्रोडक्शन हाउस में देर से हुए नुकसान के रिकॉर्ड दिखाए जिसमें 16 लाख रुपये बताया गया। उन्होंने कहा इस रिकॉर्ड में कुल नौ घटना दिख रहे जो गलत है।

'दो दीवाने सहर में' के निर्देशक से लिफ्ट में मिली थीं

मृणाल ठाकुर

अभिनेत्री ने बताया मुलाकात का पूरा किस्सा

बॉलीवुड अभिनेत्री मृणाल ठाकुर पिछले कुछ सालों से अपनी मेहनत के दम पर इंडस्ट्री में अलग पहचान बनाती आई हैं। इन दिनों वह अपनी आने वाली फिल्म 'दो दीवाने सहर में' की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। उनकी यह नई फिल्म दर्शकों के बीच रोमांस से भरी कहानी लेकर आने वाली है। इस बीच उन्होंने फिल्म के निर्देशक रवि उदयवार से पहली मुलाकात के अनुभव को साझा किया। मृणाल ठाकुर ने कहा, 'मेरी पहली मुलाकात रवि सर से उनके नए घर की लिफ्ट में हुई थी। मजेदार बात यह है कि मेरी मां ने उन्हें पहचान लिया था, जबकि मैंने उन्हें पहले देखा ही नहीं था। मेरी मां ने कहा, 'ओह माय गॉड, मुझे आपकी फिल्म 'मॉम' बहुत पसंद आई थी।' ' 'दो दीवाने सहर में' में शामिल होने के फैसले को लेकर मृणाल ने आगे कहा, ''मैंने रवि सर को कहा था कि मैं उनके काम की बहुत बड़ी फैन हूं और उनके साथ काम करना चाहती हूं। इस पर रवि सर ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया कि जल्द ही बातचीत करेंगे। इसके कुछ दिनों बाद, उनका मेरे पास मैसेज आया। मैं उस समय दुबई जाने वाली थी, इसलिए मेरे पास ज्यादा समय नहीं था।'' उन्होंने बताया, ''मैंने कहानी का छोटा सा हिस्सा सुना और फिर कुछ दिनों बाद सीधे रवि सर के ऑफिस पहुंच गई, जहां मुझे पूरी स्क्रिप्ट सुनाई गई। पूरी कहानी सुनते ही मैं फिल्म में शामिल होने के लिए पूरी तरह तैयार हो गई और मैंने कहा, 'चलो इसे करते हैं।' अप्रैल तक फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई थी।'' 'दो दीवाने सहर में' एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, जिसमें मृणाल के साथ सिद्धांत चतुर्वेदी भी मुख्य भूमिका में हैं, और यह फिल्म जी स्टूडियोज और भंसाली प्रोडक्शन्स के सहयोग से बनाई जा रही है। निर्माताओं में संजय लीला भंसाली, प्रेरणा सिंह और उमेश कुमार बंसल शामिल हैं। फिल्म 20 फरवरी को रिलीज होगी।

मीरा राजपूत ने ओरोमियो में शाहिद कपूर के अभिनय की सराहना की

बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत ने ओरोमियो फिल्म में उनके अभिनय की एक सोशल मीडिया पोस्ट में तारीफ करते हुए कहा कि उन्हें उन पर गर्व है। राजपूत ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कपूर के साथ एक तस्वीर साझा की और लिखा, मेरा रोमियो, जब वह पूछते हैं मैं हूं कि हूं नहीं? , याद रखना, तुम हो। और वही हो। उन्होंने पोस्ट में लिखा, आंखें जो हजारों शब्द बोलती हैं, और दिल जो हर बार खुद को संभाल लेता है। उन्होंने कहा, क्योंकि जो आपको थामे रखता है वह है रोशनी...शानदार कहना कम पड़ेगा। मुझे आप पर बहुत गर्व है। ओरोमियो अब सिनेमाघरों में।विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित यह फिल्म शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म में तृप्ति डिमरी भी मु य भूमिका में हैं। फिल्म मुंबई के अंडरवर्ल्ड गैंगस्टर हसीन उस्तारा और अफशा (डिमरी) के बीच रोमांटिक रिश्ते की कहानी पर आधारित है। यह फिल्म कपूर और भारद्वाज की साथ में बनाई गई चौथी फिल्म है, पहले उन्होंने कमीने , हैदर और रंगून में साथ काम किया था।

मधुर भंडारकर की 'द वाइव्स' में 'महक' बनेंगी

मौनी रॉय

अभिनेत्री मौनी रॉय निर्देशक मधुर भंडारकर की आगामी फिल्म 'द वाइव्स' में नजर आएंगी। इस फिल्म की शूटिंग हाल ही में पूरी हो गई है। मौनी रॉय ने इंस्टाग्राम के जरिए इस बात की जानकारी दी। फिल्म में मौनी रॉय 'महक' नाम का किरदार निभा रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है और निर्देशक मधुर भंडारकर के साथ काम करना उनकी बकेट लिस्ट का एक अहम हिस्सा था। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की कुद तस्वीरें शेयर कीं। मौनी ने लिखा, 'शानदार फिल्म 'द वाइव्स' की मैंने शूटिंग पूरी कर ली है। यह मेरी जिंदगी की सबसे पसंदीदा फिल्मों में से एक बनने वाली है। मधुर भंडारकर सर का बहुत-बहुत धन्यवाद, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया और मुझे यह किरदार दिया। आपके साथ काम करना मेरी बकेट लिस्ट का अहम हिस्सा था। ' इसी के साथ ही मौनी ने अपने सह-कलाकारों की भी तारीफ की। उन्होंने लिखा, 'मेरे शानदार को-स्टार्स का भी शुक्रिया, जो बहुत दयालु, प्यारे और सहयोगी रहे। फिल्म जल्द ही आपके नजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'निर्माता-निर्देशक मधुर भंडारकर आगामी फिल्म 'द वाइव्स' के जरिए सेलेब्स की पत्नियों की कहानी को पर्दे पर लेकर आ रहे हैं। फिल्म में बॉलीवुड की महिलाओं के ग्लैमर के पीछे छिपी जिंदगी से जुड़ी कहानी को दिखाया जाएगा। इसमें मौनी के अलावा, सोनाली कुलकर्णी, रेजिना कैसंड्रा, राहुल भट्ट, सौरभ सचदेवा, अर्जन बाजवा और फ्रेडी दारूवाला जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। इसके अलावा, फिल्म में अन्य कलाकार भी नजर आएंगे, लेकिन अभी उनके बारे में जानकारी सामने नहीं आई है।

बालाजी मोशन पिक्चर्स ने डेट नाइट हॉरर 'रागिनी 3' का किया एलान, शशांक घोष के निर्देशन में साथ नजर आएगी तमन्ना भाटिया और जुनैद खान की जोड़ी!

बालाजी मोशन पिक्चर्स ने आधिकारिक तौर पर 'रागिनी 3' का ऐलान किया है, जो एक थ्रिलिंग डेट नाइट हॉरर फिल्म है और रोमांच, कॉमेडी और मज़ेदार पल देने का वादा करती है। फिल्म में लीड रोल में तमन्ना भाटिया होंगी, निर्देशन शशांक घोष करेंगे, और उनके साथ जुनैद खान नजर आएंगे। 'रागिनी 3' एक नए और रोमांचक चैप्टर की शुरुआत है, जिसमें एक शानदार टीम एक साथ आई है। शशांक घोष डायरेक्टर के तौर पर शामिल हैं, जबकि साहिर रजा अभी भी प्रोजेक्ट की क्रिएटिव ताकत बने हुए हैं। इस सहयोग से फिल्म का स्केल नई ऊँचाइयों तक पहुँच गया है और इसे इस जॉनर की सबसे प्रत्याशित फिल्मों में से एक बना दिया है। यह शशांक घोष और बालाजी मोशन पिक्चर्स की फिर से साथ आनाभी है, जिन्होंने पहले 'वीरे दी वेडिंग' और 'फ्रेडी' जैसी सफल फिल्मों पर साथ काम किया था। ऐसे में 'रागिनी 3' के साथ टीम का मकसद एक बोल्ड, फ्रेश और स्टाइलिश डेट नाइट हॉरर एक्सपीरियंस देना है। तमन्ना भाटिया, जो अपनी अलग-अलग भूमिकाओं और स्क्रीन पर मजबूती के लिए जानी जाती हैं, लीड रोल में होंगी और कहानी में ग्लैमर, इंटेंसिटी और रोमांच जोड़ेंगी। फिल्म के लिए वह हमेशा ही सही चॉइस थीं। जुनैद खान उनके साथ जुड़ रहे हैं, जो अपने अलग और खास रोल्स के लिए पसंद किए जाते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि यह जोड़ी स्क्रीन पर नया और मज़ेदार अनुभव देने वाली है। एकता कपूर की बालाजी मोशन पिक्चर्स, जो बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड का हिस्सा है, द्वारा प्रोड्यूस की जा रही 'रागिनी 3' पहले ही जोरदार चर्चा में है। प्रोजेक्ट के बारे में और जानकारी अभी नहीं दी गई है, लेकिन इस डेट नाइट हॉरर को लेकर उत्सुकता लगातार बढ़ती जा रही है।

(साभार एजेंसी)

होटल में बुकिंग ना होने पर मुसीबत में फंसे पाकिस्तानी खिलाड़ी

सड़क पर गुजारे कई घंटे

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान हॉकी टीम के सदस्यों को कैनबरा पहुंचने पर कई घंटे सड़क पर बिताने पड़े क्योंकि पैसों के अभाव में पाकिस्तान हॉकी महासंघ होटल के बिल का भुगतान नहीं कर सका जिससे होटल बुकिंग रद्द हो गई। पाकिस्तानी टीम होबर्ट में एफआईएच प्रो लीग के दूसरे चरण के मैच खेलने आस्ट्रेलिया में है। टीम के सूत्रों के अनुसार खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों को घंटों तक सड़क पर रहना पड़ा।

एक सूत्र ने बताया, खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए कैनबरा में एक चार सितारा होटल में कमरे बुक किए गए थे। उन्हें बताया गया था कि पाकिस्तान खेल बोर्ड और पीएचएफ ने कैनबरा में उनके रहने के लिए सारे भुगतान कर दिए हैं। सूत्र ने कहा, लेकिन पिछले सप्ताह कैनबरा पहुंचने पर पता चला कि उस होटल में कोई बुकिंग थी ही नहीं। टीम के मुख्य कोच ताहिर जमान टाइम जोन अलग होने के कारण पीएसबी और पीएचएफ अधिकारियों से संपर्क नहीं कर सके।

सूत्र ने कहा, ताहिर ने उन्हें इस स्थिति के बारे में बताया कि लाहौर से लंबा सफर करके आए खिलाड़ियों के पास आराम करने की कोई जगह नहीं है। हॉकी पाकिस्तान का राष्ट्रीय खेल है और टीम प्रो लीग में ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी जैसी शीर्ष टीमों से खेल रही है। सूत्र ने बताया कि कई घंटे बाहर इंतजार करने के बाद होटल प्रबंधन ने खिलाड़ियों को कुछ कमरे दिए। सूत्र ने कहा, कमरे उपलब्ध नहीं थे लिहाजा एक ही कमरे में दो तीन खिलाड़ी रूके और अगले दिन ऑस्ट्रेलिया से मैच खेलने स्टेडियम गए जिसमें 2-3 से पराजय मिली।

इससे पहले अर्जेंटीना में प्रो लीग के पहले चरण में खिलाड़ियों को दैनिक भत्ते नहीं मिले थे जिससे विदेश में उन्हें पैसों की किल्लत हो गई। कैनबरा में टीम मैनेजर के बिना गई है क्योंकि नियमित मैनेजर और पूर्व ओलंपियन अंजुम सईद को क्ष्ज्ञ ने निकाल दिया है।

टी-20 वर्ल्ड कप में भारत की लगातार दूसरी जीत

नामीबिया को 93 रनों से हराया, ईशान-पंड्या की फिफ्टी, चक्रवर्ती को 3 विकेट

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप में नामीबिया को 93 रन से हरा दिया। टूर्नामेंट इतिहास में रनों के लिहाज से यह इंडिया की सबसे बड़ी जीत है। पिछला रिकॉर्ड 90 रन का था, जोकि इंग्लैंड के खिलाफ 2012 में बना था।

भारतीय टीम ने लगातार दूसरा मैच जीतकर ग्रुप-ए के पॉइंट्स टेबल के टॉप पर जगह बना ली। भारत ने अमेरिका को पहला मैच हराया था। गुरुवार को टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया ने 9 विकेट के नुकसान पर 209 रन बनाए थे। भारत ने आखिरी 4 रन बनाने में 5 विकेट गंवा दिए थे। ईशान किशन ने 61 और हार्दिक पंड्या ने 52 रन बनाए। नामीबिया से कप्तान जेरार्ड इरासमस ने 4 विकेट लिए। 210 रन का टारगेट चेज करने उतरी नामीबिया की टीम 18.2 ओवर में 116 रन पर ऑलआउट हो गई। वरुण चक्रवर्ती ने 3, अक्षर और हार्दिक ने 2-2 विकेट लिए। नामीबिया की ओर से लौरेन स्टीनकैंप ने सबसे ज्यादा 29 रन बनाए।

भारत ने लगातार 10वां वर्ल्डकप मैच जीता, ऐसा करने वाली पहली टीम- भारत इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा लगातार मैच जीतने वाली टीम बन गई है। टीम ने वर्ल्ड कप में लगातार 10वां मैच जीता। भारत को आखिरी हार 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में एडिलेड के मैदान पर मिली थी।

भारत पॉइंट्स टेबल में नेट रन रेट से आगे

भारतीय टीम ग्रुप-ए में 2 जीत के साथ टॉप पर है। टीम के पास 4 अंक हैं, इतने ही अंक पाकिस्तान के पास भी हैं, लेकिन पाकिस्तानी टीम का नेट रन रेट भारत से बहुत कम है। इसी वजह से टीम इंडिया नंबर-1 पर है, जबकि पाकिस्तान दूसरे स्थान पर है। नीदरलैंड एक जीत के साथ तीसरे नंबर पर है। इ्ह्न और नामीबिया शुरुआती दोनों मैच हार गई हैं।

ईशान किशन को इंपैक्ट प्लेयर का अवॉर्ड, नामीबिया के खिलाफ 24 गेंद में बनाए 61 रन

विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन को भारत-नामीबिया मुकाबले में शानदार प्रदर्शन के लिए टीम इंडिया के इंपैक्ट प्लेयर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। गुरुवार को दिल्ली में खेले गए टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के मैच में ईशान ने सिर्फ 24 गेंदों पर 61 रन की तूफानी पारी खेली। उनकी इस पारी में 6 चौके और 5 छक्के शामिल थे। इस विस्फोटक शुरुआत की बदौलत भारत ने 200 से ज्यादा का बड़ा स्कोर खड़ा किया।

पावरप्ले में भारत का तीसरा सबसे बड़ा स्कोर

ईशान ने पावरप्ले के आखिरी ओवर में जेजे स्मिट के एक ओवर से 28 रन बटोरे। पहली गेंद डॉट रहने के बाद उन्होंने अगली पांच गेंदों पर चार छक्के और एक चौका जड़ा। भारत ने पहले 6 ओवर में 1 विकेट पर 86 रन बनाए, जो टी-20 इंटरनेशनल में भारत का तीसरा सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर है। इससे पहले फरवरी 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ मुंबई में भारत ने 95/1 और हाल ही में गुवाहाटी में न्यूजीलैंड के खिलाफ 94/2 का स्कोर बनाया था।

20 गेंदों में अर्धशतक

ईशान किशन ने 20 गेंदों में फिफ्टी पूरी की, जो टी-20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए संयुक्त रूप से पांचवीं सबसे तेज अर्धशतक है। इस सूची में शीर्ष पर युवराज सिंह की 12 गेंदों की ऐतिहासिक पारी है।

पाकिस्तान के खिलाफ टी-वर्ल्ड कप मुकाबले में अर्शदीप की जगह इस गेंदबाज को उतारे भारत: गावस्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर को उम्मीद है कि रविवार को कोलंबो में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले टी20 विश्व कप मैच में भारतीय टीम तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की जगह लेग स्पिनर कुलदीप यादव को अंतिम एकादश में शामिल करेगी। नामीबिया के बल्लेबाजों ने गुरुवार को अर्शदीप की जमकर धुनाई की और उन्होंने अपने कोटे के 4 ओवर भी पूरे नहीं किए।

गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स के एक कार्यक्रम में कहा, हमारे सभी गेंदबाजों ने विकेट लिए। अर्शदीप ने अपने चार ओवर पूरे नहीं किए, जबकि शिवम दुबे ने दो ओवर और हार्दिक ने अपना कोटा पूरा किया। इससे संकेत मिलता है कि कुलदीप यादव पाकिस्तान के खिलाफ मैच में अर्शदीप की जगह ले सकते हैं। श्रीलंका की पिचें स्पिनरों के लिए मददगार हैं और भारत का तीन स्पिनरों के साथ खेलने का इतिहास रहा है। मुझे उम्मीद है कि कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच में कुलदीप को अंतिम एकादश में शामिल किया जाएगा।

गावस्कर ने कहा कि भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच को ध्यान में रखते हुए ही अपनी गेंदबाजी में बदलाव किये। उन्होंने कहा, हार्दिक ने पहला ओवर किया जिससे संकेत मिलता है कि अर्शदीप पाकिस्तान के खिलाफ शायद नहीं खेलेंगे। वरुण चक्रवर्ती ने केवल दो ओवर फेंके और अगर उन्होंने अपने पूरे चार ओवर फेंके होते तो वह पांच या छह विकेट ले लेते।

गावस्कर ने कहा, वरुण की सबसे अच्छी बात यह है कि जब भी उसे गेंदबाजी करने के लिए कहा जाता है, वह विकेट लेता है। अक्षर पटेल ने तीन ओवर में दो विकेट लिए, यह अच्छा संकेत है। गावस्कर ने इसके साथ ही कहा कि अस्वस्थ अभिषेक शर्मा की जगह अंतिम एकादश में बल्लेबाज के रूप में शामिल किए गए संजू सैमसन को क्रीज से काफी दूर जाकर खेलने में परेशानी हो रही है।

टी-20 विश्वकप 2026 का पहला बड़ा उलटफेर

जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को हराया 170 चेज नहीं कर सके कंगारू

कोलंबो (एजेंसी)। टी20 विश्वकप 2026 का पहला बड़ा उलटफेर हो चुका है। जिम्बाब्वे ने इस संस्करण के 19वें मुकाबले में 2021 की टी20 विश्वकप चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हरा दिया है। यह मुकाबला कोलंबो के प्रेमदासा स्टेडियम में खेला गया। जिम्बाब्वे ने 20 ओवर में दो विकेट गंवाकर 169 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पूरी पारी 19.3 ओवर में 146 रन पर सिमट गई। यह जिम्बाब्वे टीम की ऑस्ट्रेलिया पर टी20 में दूसरी जीत है। इससे पहले जिम्बाब्वे ने 2007 टी20 विश्वकप में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराया था। दोनों के बीच अब तक चार बार आमना-सामना हुआ है। इसमें से दो बार ऑस्ट्रेलियाई टीम और दो बार जिम्बाब्वे की टीम जीती है। सिकंदर रजा की टीम का टी20 विश्वकप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 100 प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड है। यानी अब तक कंगारू जिम्बाब्वे की टीम को इस टूर्नामेंट में हरा नहीं पाए हैं।

जिम्बाब्वे बनाम ऑस्ट्रेलिया (टी20 में)

टीम	परिणाम	अंतर	खिलाफ	मैदान	साल
जिम्बाब्व	जीता	5 विकेट से	ऑस्ट्रेलिया	केपटाउन	2007
जिम्बाब्वे	हारा	100 रन से	ऑस्ट्रेलिया	हरारे	2018
जिम्बाब्वे	हारा	5 विकेट से	ऑस्ट्रेलिया	हरारे	2018
जिम्बाब्वे	जीता	23 रन से	ऑस्ट्रेलिया	कोलंबो	2026

ग्रुप-बी में दिलचस्प हुई जंग

साथ ही ग्रुप-बी में भी सुपर-8 में पहुंचने की जंग दिलचस्प हो चली है। इस हार के साथ ऑस्ट्रेलिया पर सुपर-8 की दौड़ से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। उसे अब अपने सभी मैच जीतने होंगे। एक हार उनकी उम्मीदों पर पानी फेर सकता है। फिलहाल ग्रुप-बी में श्रीलंका दो मैचों में दो जीत और चार अंक लेकर शीर्ष पर हैं। वहीं, जिम्बाब्वे के भी दो मैचों के बाद चार अंक हैं। ऑस्ट्रेलिया के दो मैचों के बाद दो अंक हैं। टीम तीसरे स्थान पर है। आयरलैंड और ओमान का खाता नहीं खुला है और टीम क्रमश: चौथे और पांचवें स्थान पर है। अब ऑस्ट्रेलिया को अगला मैच श्रीलंका से खेलना है और अगर हारे तो बाहर हो जाएंगे।

मैं अब 24 घंटे मजाक नहीं करता, मैं बदल चुका हूं

नामीबिया से मैच के बाद बोले ईशान किशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने नामीबिया को हराकर टी20 विश्वकप 2026 में अपना लगातार दूसरा मैच जीता और ग्रुप-ए में शीर्ष पर जगह बना ली। भारत की जीत में ईशान किशन, हार्दिक पांड्या और वरुण चक्रवर्ती ने अहम भूमिका निभाई। ईशान ने 61 रन और हार्दिक ने 52 रन बनाए, जबकि वरुण ने तीन विकेट झटके। हालांकि, मैच के इतर ईशान किशन ने कुछ ऐसा कहा है, जिसने सभी को चौंका दिया है। दरअसल, टीम इंडिया के विस्फोटक विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन इन दिनों सिर्फ अपने शॉट्स से नहीं, बल्कि अपनी सोच से भी चर्चा में हैं। नामीबिया के खिलाफ तूफानी अर्धशतक जड़ने के बाद उन्होंने माना कि करियर के उतार-चढ़ाव ने उन्हें पहले से ज्यादा परिपक्व बना दिया है। अब उनका फोकस मस्ती से ज्यादा जिम्मेदारी पर है।

वापसी के बाद बदली तस्वीर

पिछले महीने टीम में वापसी के बाद ईशान ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन ने उन्हें प्लेइंग इलेवन में पहली पसंद का विकेटकीपर बल्लेबाज बना दिया है। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी, तेज शुरुआत और आत्मविश्वास टीम को नई ऊर्जा दे रहे हैं।गुरुवार रात खेले गए मुकाबले में बाएं हाथ के बल्लेबाज ने सिर्फ 24 गेंदों में छह चौके और पांच छक्के की मदद से 61 रन ठोक दिए। उनकी पारी की बदौलत भारत ने पावरप्ले में 86 रन बना डाले, जो टी20 विश्वकप इतिहास में टीम का सर्वश्रेष्ठ पावरप्ले स्कोर रहा। अभिषेक शर्मा की गैरमौजूदगी में ईशान ने जिम्मेदारी उठाई और गेंदबाजों पर टूट पड़े।

'मैं अब बदल चुका हूं'

मैच के बाद जब उनसे पूछा गया कि क्या वह फिर उसी पुराने बेफिक्र अंदाज में लौट आए हैं, ईशान ने साफ जवाब दिया, 'नहीं, सच कहूं तो मैं अब बदल चुका हूं। मजाक मुझे अभी भी पसंद है, मैं करता भी हूं, लेकिन पहले 24 घंटे करता था, अब सिर्फ दो-तीन घंटे ही करता हूं।' उनके इस बयान से साफ है कि वह अब अपने करियर को अलग नजरिए से देख रहे हैं।

टीम के लिए क्या जरूरी है

ईशान ने यह भी बताया कि अब उनकी प्राथमिकता साफ है। उन्होंने कहा, 'मैं बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग पर ज्यादा ध्यान दे रहा हूं, जो टीम की मदद करेगा और मेरी भी। बाकी सब चीजें सेकेंडरी हैं, इसलिए मैं हर समय मजाक में नहीं रहता, खासकर गौति भाई के रहते।' यह टिप्पणी उन्होंने हल्के अंदाज में की, लेकिन संदेश गंभीर था, अनुशासन और फोकस।

वैभव सूर्यवंशी के सामने नई चुनौती 10वीं की बोर्ड परीक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कम उम्र में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से पहचान बनाने वाले युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी अब एक अलग तरह की चुनौती का सामना करने वाले हैं। मैदान पर तेज शॉट्स खेलने वाले इस खिलाड़ी को इस साल कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा भी देनी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक हाल ही में उनका एडमिट कार्ड जारी हुआ, जिससे पढ़ाई और क्रिकेट के बीच संतुलन को लेकर चर्चा तेज हो गई है। खबरों के अनुसार 17 फरवरी से शुरू होने वाली सीबीएसई परीक्षाओं के बीच उन्हें अकादमिक जिम्मेदारियों को भी निभाना होगा।

रिपोर्ट्स बताती हैं कि उनका एग्जाम सेंटर समस्तीपुर के एक निजी स्कूल में तय किया गया है, जबकि वह ताजपुर क्षेत्र के एक अन्य विद्यालय के छात्र हैं। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि व्यस्त क्रिकेट शेड्यूल के बावजूद क्या वे नियमित परीक्षा प्रक्रिया का हिस्सा बन पाएंगे...?

इस बार बोर्ड परीक्षा और क्रिकेट शेड्यूल लगभग एक साथ पड़ रहे हैं। सीबीएसई की परीक्षाएं फरवरी में शुरू हो रही हैं, जबकि आईपीएल का नया सीजन मार्च के आखिरी सप्ताह में शुरू होने की बात कही जा रही है। ऐसे हालात में तैयारी, यात्रा और मैचों के बीच समय प्रबंधन करना किसी भी युवा खिलाड़ी के लिए आसान नहीं माना जा सकता।

हालांकि यह स्थिति नई नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में कई युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट और बोर्ड परीक्षाओं के बीच संतुलन बनाना पड़ा है। इसलिए बोर्ड ने खेल से जुड़े छात्रों के लिए कुछ विशेष नियम और छूट भी तय कर रखी है।

मेस्सी चोटिल

इंटर मियामी के पहले मैच में खेलना संदिग्ध

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका) (एजेंसी)। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी की बायीं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया है जिसके कारण उनका इंटर मियामी की तरफ से एमएलएस कप में 21 फरवरी को एलएएफसी के खिलाफ होने वाले सत्र के पहले मैच में खेलना संदिग्ध है। इंटर मियामी की टीम ने बुधवार को मेस्सी के चोटिल होने के बारे में जानकारी दी।

एमएलएस के लगातार दो बार के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी मेस्सी ने पिछले सप्ताहांत इक्काडोर में सत्र से पहले खेले गए मैच में एक गोल किया, लेकिन दूसरे हाफ के लगभग 12 मिनट बाद उन्हें संभवत: हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण मैदान छोड़ना पड़ा था। इंटर मियामी ने एक बयान में कहा, अभ्यास में उनकी वापसी आने वाले दिनों में उनकी फिटनेस की प्रगति पर निर्भर करेगी।

रियान पराग राजस्थान रॉयल्स के नए कप्तान होंगे

2019 से टीम के साथ हैं, संजू सैमसन ट्रेड होकर सीएसके चले गए थे

जयपुर (एजेंसी)। 2026 से पहले राजस्थान रॉयल्स (आरआर) की टीम ने ऑलराउंडर रियान पराग को टीम का अगला कप्तान नियुक्त किया है। यह फैसला संजू सैमसन के चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में चले जाने के बाद लिया गया है। 2026 के लिए हुए आईपीएल के मिनी ऑक्शन से पहले संजू सैमसन ट्रेड विंडो के जरिये सीएसके में चले गए थे। सीएसके ने इसके बदले रवींद्र जडेजा और सैम करन जैसे दो ऑलराउंडर राजस्थान रॉयल्स को दिया था। 24 साल के रियान पराग पिछले सात सीजन से राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा थे। संजू सैमसन ने पिछले सीजन के बाद फ्रेंचाइजी छोड़ने की इच्छा जताई थी, जिसके बाद टीम मैनेजमेंट ने भविष्य को देखते हुए पराग पर भरोसा जताया है।

पिछले साल 8 मैचों में कप्तानी कर चुके हैं पराग

रियान पराग के लिए कप्तानी का अनुभव नया नहीं है। आईपीएल 2025 के दौरान जब संजू सैमसन चोट की वजह से 8 मैचों से बाहर रहे थे, तब पराग ने ही टीम की कमान संभाली थी। हालांकि, उन 8 मैचों में टीम को सिर्फ 2 जीत मिली थी, लेकिन बतौर बल्लेबाज पराग ने प्रभावित किया था। उन्होंने कप्तानी के दौरान 38.57 की औसत से रन बनाए थे, जिसमें कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ ईडन गार्डन्स में खेली गई 95 रनों की पारी उनके करियर का बेस्ट स्कोर है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, राजस्थान रॉयल्स के हेड कोच कुमार संगाकारा ने कप्तान के चुनाव के लिए कई खिलाड़ियों के इंटरव्यू लिए थे।

मध्य प्रदेश के पैरा तैराक सतेंद्र ने कुक स्ट्रेट पार कर इतिहास रचा, सीएम मोहन यादव ने दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के इंटरनेशनल पैरा स्विमर सतेंद्र सिंह लोहिया ने दुनिया के सबसे मुश्किल ओपन-वॉटर समुद्री चैनलों में से एक, न्यूजीलैंड के कुक स्ट्रेट को सफलतापूर्वक पार करके इतिहास रच दिया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने गुरुवार को उन्हें इस कामयाबी पर बधाई देते हुए कहा कि इस कामयाबी के साथ, पद्म श्री अवॉर्डी (2024) लोहिया कुक स्ट्रेट को पार करने वाले एशिया के पहले पैरा स्विमर बन गए हैं।

अपनी खुशी जाहिर करते हुए, मुख्यमंत्री ने इस कामयाबी को देश और मध्य प्रदेश दोनों के लिए गर्व का पल बताया। यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'पद्म श्री और तेनजिंग नोर्गे नेशनल एडवेंचर अवॉर्डी, मध्य प्रदेश के इंटरनेशनल पैरा स्विमर सतेंद्र सिंह लोहिया ने दुनिया के सबसे मुश्किल समुद्री चैनलों में से एक, न्यूजीलैंड के कुक स्ट्रेट को कामयाबी से पार करके इतिहास रच दिया है।'

उन्होंने आगे कहा, 'मैं इस अनोखी कामयाबी के लिए उन्हें दिल से बधाई देता हूं। देश और मध्य प्रदेश के लिए यह गर्व का पल उनके जबरदस्त जज्बे और पक्के इरादे को दिखाता है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देता रहेगा।'

38 साल के पैरा स्विमर, जिनके दोनों पैरों में चलने-फिरने की क्षमता कम है, ने अपने करियर में कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। उनमें से एक है मुंबई में 33 किलोमीटर का स्विम सर्किट 5 घंटे 42 मिनट में पूरा करना। मध्य प्रदेश के ग्वालियर-चंबल डिवीजन के भिंड जिले के गाटा गांव के रहने वाले लोहिया ने इससे पहले 2018 में एक टीम के साथ 36 किलोमीटर का इंग्लिश चैनल पार करके इतिहास रचा था। 2019 में, उन्होंने यूनाइटेड स्टेट्स में कैटालिना चैनल पूरा किया। उन्होंने इंग्लिश चैनल की तैराकी 12 घंटे और 26 मिनट में पूरी की। अपनी उपलब्धियों के लिए, उन्हें 2020 में तेनजिंग नोर्गे नेशनल एडवेंचर अवॉर्ड मिला और उन्होंने कहा कि वह यह सम्मान पाने वाले पहले पैरा-एथलीट थे।

बीएनपी को भारी बहुमत से जीत मिली, दो दशकों बाद सत्ता में वापसी

» ढाका, भाषा।

बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) ने शुक्रवार को ऐतिहासिक संसदीय चुनावों में दो-तिहाई से अधिक बहुमत के साथ शानदार जीत हासिल की और दो दशकों के अंतराल के बाद सत्ता में शानदार वापसी की है। तेरहवें संसदीय चुनाव ऐसे समय में हुए हैं, जब देश उथल-पुथल भरी राजनीतिक शून्यता, अस्थिरता और सुरक्षा की नाजुक स्थिति से गुजर रहा है। देश में पिछले साल अगस्त में छात्रों के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद अल्पसंख्यकों पर व्यापक पैमाने पर हमले हुए हैं। छात्रों के विरोध प्रदर्शनों के कारण अगस्त 2024 में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को 15 साल के शासन के बाद सत्ता से हटना पड़ा था। निर्वाचन आयोग (ईसी) द्वारा घोषित अनौपचारिक परिणामों के अनुसार, बीएनपी ने 297 सीट में से 209 सीट हासिल की हैं, जबकि पाकिस्तान के करीबी मानी जाने वाली दक्षिणपंथी जमात-ए-इस्लामी ने 68 सीट जीती हैं।

चुनाव में 59.44 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। हसीना की अवामी लीग पार्टी को चुनाव लड़ने से रोक दिया गया था। आयोग ने चट्टोग्राम-दो और चट्टोग्राम-चार सीट पर नतीजों की घोषणा स्थगित कर दी है। एक सीट पर एक उम्मीदवार की मृत्यु के कारण चुनाव स्थगित किया गया था। बीएनपी के शीर्ष नेता तारिक रहमान पहली बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। वह अंतरिम सरकार के मुखिया नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस का स्थान लेंगे। यूनुस के कार्यकाल में बांग्लादेश और भारत के बीच रिश्तों में काफी गिरावट आई है। चुनाव में सात महिला उम्मीदवार विजई हुई हैं, जिनमें से अधिकांश बीएनपी से हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत कुछ नेताओं ने चुनाव में बीएनपी के प्रदर्शन पर रहमान को बधाई दी। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, तारिक रहमान से बात करके मुझे बहुत खुशी हुई। मैंने उन्हें बांग्लादेश चुनावों में उनकी उल्लेखनीय जीत पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि मैंने बांग्लादेश की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के उनके प्रयासों में अपनी शुभकामनाएं और समर्थन व्यक्त किया। गहरे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध वाले दो घनिष्ठ पड़ोसी देशों के रूप में मैंने दोनों देशों की जनता की शांति, प्रगति और समृद्धि के प्रति भारत की निरंतर प्रतिबद्धता की पुष्टि की। सोशल मीडिया पर इससे पहले किए गए एक अन्य पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि भारत लोकतांत्रिक, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के प्रति अपना समर्थन जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि भारत लोकतांत्रिक, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के प्रति अपना समर्थन जारी रखेगा। मैं आपके साथ मिलकर हमारे बहुआयामी संबंधों को मजबूत करने और हमारे साझा विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हूं। बीएनपी ने देश के आम चुनाव के नतीजे को मान्यता देने के लिए भारत और प्रधानमंत्री मोदी को शुक्रवार को धन्यवाद देते हुए उम्मीद जताई कि नई सरकार के कार्यकाल में दोनों देशों के संबंध मजबूत होंगे।

ढाका निर्वाचन क्षेत्र से बीएनपी के हिंदू नेता की जीत

ढाका, भाषा। बांग्लादेश के 13वें राष्ट्रीय संसदीय चुनाव में शुक्रवार को अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के वरिष्ठ बीएनपी नेता गाएश्वर चंद्र रॉय ने ढाका सीट से जीत हासिल की। सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस की खबर के अनुसार, रॉय ने ढाका-3 सीट पर 99,163 मत हासिल कर जमात-ए-इस्लामी के अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी मोहम्मद शाहिनुर इस्लाम को हराया। देश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के सदस्यों के कथित उत्पीड़न की पृष्ठभूमि में पूर्व मंत्री की ढाका सीट से जीत हुई है। दिसंबर में युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद से इस समुदाय को कई हमलों का सामना करना पड़ा है, जिनमें से कुछ घातक भी रहे हैं। भारत बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं पर हो रहे हमलों को लेकर चिंता व्यक्त करता रहा है। इसके अलावा, कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी जमात-ए-इस्लामी द्वारा मैदान में उतारे गए एकमात्र हिंदू उम्मीदवार को खुलना-1 निर्वाचन क्षेत्र में हार का सामना करना पड़ा। जबकि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के उम्मीदवार आमिर एजाज खान को1,21,352 मत मिले। बीएनपी संसदीय चुनावों में व्यापक जीत की ओर बढ़ रही है।

रहमान के नेतृत्व में बांग्लादेश की जनता के भरोसे को दर्शाया : प्रधानमंत्री मोदी

बीएनपी ने चुनाव परिणाम को मान्यता देने के लिए भारत को धन्यवाद दिया

» ढाका, भाषा।

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने देश के आम चुनाव के नतीजे को मान्यता देने के लिए भारत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को शुक्रवार को धन्यवाद देते हुए उम्मीद जताई कि नई सरकार के कार्यकाल में दोनों देशों के संबंध मजबूत होंगे। बीएनपी की स्थाई समिति के सदस्य और 2026 के चुनाव के मुख्य समन्वयक नजरुल इस्लाम खान ने पीटीआई-वीडियो से कहा कि पार्टी मोदी द्वारा जनादेश को मान्यता दिए जाने की सराहना करती है। उन्होंने कहा, हम हमारे नेता तारिक रहमान को बधाई देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देते हैं। किसी लोकतांत्रिक देश द्वारा जनता के फैसले को मान्यता दिया जाना अच्छी बात है और नरेन्द्र मोदी ने ऐसा किया है।

हम उन्हें धन्यवाद देते हैं। खान ने कहा, हम अपनी पार्टी की ओर से भी उन्हें धन्यवाद देते हैं और हमारा विश्वास है कि हमारे नेता तारिक रहमान के नेतृत्व में इन दोनों देशों और उनके लोगों के बीच संबंध मजबूत होंगे। इससे पहले, मोदी ने बीएनपी के नेता तारिक रहमान की बांग्लादेश के संसदीय चुनाव में निर्णायक जीत पर शुक्रवार को उन्हें बधाई देते हुए कहा कि वह विकास के साझा लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए उनके साथ काम करने को लेकर उत्सुक हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस जीत ने रहमान के नेतृत्व में बांग्लादेश की जनता के भरोसे को दर्शाया है। मोदी ने कहा, भारत लोकतांत्रिक, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के प्रति अपना समर्थन जारी रखेगा। मैं आपके साथ मिलकर हमारे बहुआयामी संबंधों को मजबूत करने और हमारे साझा विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हूं। बीएनपी ने 12 फरवरी को हुए चुनाव में 300 सदस्ईय संसद में दो-तिहाई बहुमत हासिल किया। यह छात्रों के नेतृत्व में 2024 में हुए प्रदर्शन के बाद बांग्लादेश में पहला संसदीय चुनाव है। इस प्रदर्शन की वजह से पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से हटना पड़ा था। हालांकि बांग्लादेश के निर्वाचन आयोग (ईसी) ने चुनाव परिणाम की अभी औपचारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन स्थानीय मीडिया द्वारा प्रसारित अनौपचारिक आंकड़ों और अनुमानों के अनुसार बीएनपी और उसके सहयोगियों ने 210 से अधिक सीट जीत ली हैं जबकि जमात-ए-इस्लामी मुख्य विपक्ष के रूप में उभरी है। यह वर्षों तक विपक्ष में रही बीएनपी की बड़ी राजनीतिक वापसी है।

बांग्लादेश की नई सरकार के साथ काम करने और संबंधों को मजबूत बनाने के लिए हम तत्पर हैं : चीन

बीजिंग, भाषा। बांग्लादेश में सुचारु रूप से चुनाव कराए जाने की सराहना करते हुए चीन ने शुक्रवार को कहा कि वह ढाका के साथ रणनीतिक और सहयोगात्मक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) शुक्रवार को देश में कराए गए ऐतिहासिक संसदीय चुनावों में शानदार जीत के साथ दो दशकों के अंतराल के बाद सत्ता में वापसी के लिए पूरी तरह तैयार है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि चीन के संज्ञान में आया है कि बांग्लादेश में सुचारु रूप से आम चुनाव कराए गए और बीएनपी को भारी बहुमत से जीत हासिल हुई है। एक प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि चीन बांग्लादेश के घरेलू राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने में उसका समर्थन करता है। लिन जियान ने कहा कि चीन दोनों देशों के बीच रणनीतिक और सहयोगात्मक साझेदारी को आगे बढ़ाने के मकसद से बांग्लादेश के साथ काम करने के लिए तत्पर है। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली निवर्तमान अंतरिम सरकार ने बीजिंग के साथ घनिष्ठ संबंध विकसित करने और अधिक चीनी निवेश प्राप्त करने का प्रयास किया था।

बीएनपी ने शेख हसीना के भारत से प्रत्यर्पण पर जोर दिया

» ढाका, भाषा।

बांग्लादेश के आम चुनावों में शानदार जीत हासिल करने वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने अपदस्थ पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पर मुकदमा चलाने के लिए उनके भारत से प्रत्यर्पण की अपनी मांग दोहराई है। बीएनपी के वरिष्ठ नेता सलाहुद्दीन अहमद ने कहा, विदेश मंत्री पहले ही उनके प्रत्यर्पण के पक्ष में तर्क दे चुके हैं, और हम भी इसका समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा, हमनें हमेशा ही कानून के अनुसार उनके प्रत्यर्पण पर जोर दिया है। यह दोनों देशों के विदेश मंत्रालयों का मामला है। हमने भारत सरकार से भी उन्हें बांग्लादेश वापस भेजने का आग्रह किया है ताकि वह वहां मुकदमे का सामना करें। अहमद ने इस बात पर जोर दिया कि भारत समेत सभी पड़ोसी देशों के साथ बांग्लादेश सामान्य संबंध चाहता है, लेकिन केवल बराबरी के आधार पर।

उन्होंने कहा, हमें भारत समेत सभी देशों के साथ परस्पर सम्मान और समानता पर आधारित मैत्रीपूर्ण संबंध चाहिए। उनकी यह टिप्पणी बृहस्पतिवार को हुए आम चुनावों में बीएनपी की शानदार जीत के तुरंत बाद आई। अगस्त 2024 में हुए जन विद्रोह के बाद यह पहला चुनाव है। इस विद्रोह के चलते हसीना को बांग्लादेश से भारत आने के लिए मजबूर होना पड़ा था। सत्ता से बेदखल होने के बाद से नई दिल्ली में निर्वासन में रह रहीं हसीना को नवंबर 2025 में बांग्लादेश के एक विशेष न्यायाधिकरण ने मौत की सजा सुनाई थी। विद्रोह के दमन से जुड़े मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए उनकी अनुपस्थिति में उन्हें यह सजा सुनाई गई थी। अहमद ने हिंसा की जांच के कारण अवामी लीग के चुनाव में भाग लेने पर प्रतिबंध लगने के बाद, चुनाव की समावेशिता पर उठ रही आलोचनाओं को खारिज कर दिया। उन्होंने जोर देते हुए कहा, देश के लोग जानते हैं कि यह एक बहुत ही समावेशी चुनाव है। अगर आप अवामी लीग आदि को चुनाव से बाहर रखने का जिक्र करना चाहते हैं, तो जनता ने अगस्त 2024 के जन विद्रोह के माध्यम से इसे खारिज कर दिया है। अवामी लीग को चुनाव से बाहर रखने का फैसला मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने लिया था, जिसने विद्रोह के दौरान पार्टी के बर्ताव की जांच के बीच, 2025 में इसकी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया था। अहमद ने कहा, अवामी लीग के खिलाफ जांच जारी है। यह प्रक्रिया में है।

लोकतांत्रिक मार्ग के लिए बीएनपी और जमात एक अच्छी जोड़ी

ढाका, भाषा। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के एक शीर्ष नेता ने शुक्रवार को कहा कि पूर्ण बहुमत वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और एक मजबूत विपक्षी जमात-ए-इस्लामी देश में अगले लोकतांत्रिक पथ के लिए एक बहुत अच्छी जोड़ी होगी। चुनाव में शानदार प्रदर्शन के बाद बीएनपी सत्ता में वापसी करने के लिए तैयार है। स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार, 300 सीटों वाली संसद में 151 से अधिक सीटों के साथ, बीएनपी बृहस्पतिवार को हुए ऐतिहासिक संसदीय चुनावों में बड़ी जीत की ओर अग्रसर है। खबरों के अनुसार, दोपहर के आसपास 11 दलों के गठबंधन का नेतृत्व कर रही जमात-ए-इस्लामी लगभग 75 सीटों पर आगे चल रही है या जीत हासिल करने के करीब है। बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान के सलाहकार सैयद मौअज्जम हुसैन अलाल ने पीटीआई वीडियो को बताया, यह चुनाव आयोग, अंतरिम सरकार, राजनीतिक दलों और सबसे महत्वपूर्ण कारक, देश की आम जनता के सहयोग से आयोजित एक ऐतिहासिक चुनाव था। उन्होंने कहा, हमने इन चारों घटकों के बीच सफलतापूर्वक एक सेतु का निर्माण कर लिया है... परिणाम सामने आ चुके हैं और बांग्लादेश के लोग अपनी पसंद व्यक्त करके बहुत प्रसन्न हैं। इसके परिणामस्वरूप, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) को पूर्ण बहुमत प्राप्त हो गया है। अलाल ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व में विपक्ष को भी अच्छी संख्या में सीटें मिली हैं, संसद में पूर्ण बहुमत वाली पार्टी बीएनपी और मजबूत विपक्षी जमात-ए-इस्लामी का नेतृत्व... यह एक अच्छी बात होगी...बांग्लादेश में अगले लोकतांत्रिक पथ के लिए एक बहुत अच्छा संयोजन।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तानः असाध्य बीमारी से पीड़ित नौ शेर और दो जिराफ को दया मृत्यु दी गई

» लाहौर, भाषा।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में असाध्य वंशानुगत बीमारियों से पीड़ित नौ शेरों और दो जिराफों को दया मृत्यु दे दी गई। लाहौर सफारी पार्क में लगभग 30-40 शेर हैं, जबकि जिराफों की यह जोड़ी अक्टूबर 2025 में दक्षिण अफ्रीका से लाई गई थी। वन्यजीव विभाग के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि नौ में से सात शेर सफारी पार्क के थे, जबकि दो स्थानीय चिड़ियाघरों से लाए गए थे। पंजाब की वरिष्ठ मंत्री मरियम औरंगज़ेब ने कहा कि बीमार शेरों को पशु चिकित्सकों की सलाह पर प्रांत के विभिन्न चिड़ियाघरों से लाहौर सफारी पार्क भेजा गया था। मंत्री ने एक बयान में कहा कुछ शेर असाध्य वंशानुगत बीमारियों से ग्रस्त थे, जबकि कुछ ऐसे रोग से पीड़ित थे जिनका कोई प्रभावी इलाज संभव नहीं था। उन्होंने कहा कि पशु चिकित्सकों और वन्यजीव विशेषज्ञों की एक समिति ने इन मामलों की समीक्षा की थी।

मंत्री ने कहा, लाइलाज बीमारियों से पीड़ित पशुओं को आगे की पीड़ा से बचाने के लिए दया मृत्यु देना वैश्विक स्तर पर मानक प्रथा है और पाकिस्तान के वन्यजीव कानूनों में भी इसका प्रावधान है। इसी कानूनी ढांचे के अनुरूप आवश्यक कदम उठाए गए। पंजाब वन्यजीव विभाग के अतिरिक्त प्रमुख मुदस्सर हसन के अनुसार, शेर पिछले कुछ सप्ताह से बीमार थे। उन्होंने कहा कि कुछ शेरों में विकलांगता भी विकसित हो गई थी और प्रशासन यह सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरत रहा है कि सफारी पार्क में और शेर या जिराफ की मौत न हो। उन्होंने कहा कि मामले की जांच के लिए एक समिति गठित की गई है।

ट्रंप प्रशासन ने ताइवान पर लगे शुल्क प्रतिबंधों को कम करने के लिए किया व्यापार समझौता

» वॉशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने ताइवान के साथ एक व्यापार समझौता किया है। इसके तहत ताइवान अपने 99 प्रतिशत शुल्क अवरोधों को हटाने या कम करने पर सहमत हुआ है। यह जानकारी अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने दी। यह समझौता ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिका कंप्यूटर चिप के उत्पादन के लिए ताइवान पर काफी हद तक निर्भर है। वर्ष 2025 के पहले 11 महीने में चिप निर्यात के कारण दोनों देशों के बीच करीब 127 अरब डॉलर का व्यापार घाटा दर्ज किया गया। व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने बताया कि ताइवान से अमेरिका आने वाले निर्यात पर 15 प्रतिशत शुल्क या अमेरिकी सरकार की सर्वाधिक तरजीही राष्ट्र दर लागू होगी।

यह 15 प्रतिशत दर एशिया-प्रशांत क्षेत्र के अन्य अमेरिकी व्यापार साझेदारों जैसे जापान व दक्षिण कोरिया पर लागू दर के समान है। पारस्परिक समझौते पर हस्ताक्षर के दौरान अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर भी मौजूद रहे। यह हस्ताक्षर ताइवान में अमेरिकी संस्थान तथा अमेरिका में ताइपे आर्थिक एवं सांस्कृतिक प्रतिनिधि कार्यालय के तत्वावधान में हुए। इस मौके पर ताइवान के उप प्रधानमंत्री ली-चिउन चेंग और विदेश व्यापार ब्यूरो की महानिदेशक जेन-नी यांग भी उपस्थित रहे। यह समझौता राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अप्रैल में प्रस्तावित चीन यात्रा से पहले हुआ है। इससे अमेरिका तथा ताइवान के बीच आर्थिक रिश्तों के और गहरे होने के संकेत मिलते हैं।

ब्रिटेन की अदालत ने प्रदर्शनकारी समूह फलस्तीन एक्शन को प्रतिबंधित किए जाने को अवैध करार दिया

» लंदन, भाषा।

ब्रिटेन के उच्च न्यायालय ने कहा है कि सरकार द्वारा प्रदर्शनकारी समूह फलस्तीन एक्शन को आतंकवादी संगठन घोषित करने का निर्णय लिया जाना गैरकानूनी था। न्यायाधीश विक्टोरिया शार्प, जोनाथन स्विफ्ट और करेन स्टेन ने शुक्रवार को कहा कि सरकार की अपील पर विचार किए जाने तक यह प्रतिबंध लागू रहेगा। पिछले साल ब्रिटेन सरकार ने फलस्तीन समर्थक समूह को अल-कायदा और हमास जैसे आतंकवादी संगठनों की श्रेणी में डाल दिया।

फलस्तीन एक्शन की सदस्यता या समर्थन को अपराध घोषित कर दिया, जिसके लिए 14 साल तक की जेल की सजा हो सकती है। उस समय से, मैं फलस्तीन एक्शन का समर्थन करताकरती हूं लिखे बैनर प्रदर्शित करने को लेकर 2,000 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। गाजा में इजराइल की सैन्य कार्रवाई को ब्रिटिश सैन्य सहयोग के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए कार्यकर्ता रॉयल एयर फोर्स अड्डे में घुस गए थे जिसके बाद ब्रिटेन सरकार ने फलस्तीन एक्शन को प्रतिबंधित कर दिया था।

नेपाल के पूर्व राजा के हवाई अड्डे पर पहुंचने पर समर्थकों ने राजशाही की बहाली की मांग की

काठमांडू, भाषा। नेपाल के पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र शाह के कड़ी सुरक्षा के बीच शुक्रवार को यहां पहुंचने पर सैकड़ों समर्थक हवाई अड्डे पर जमा हो गए और राजशाही की बहाली की मांग की। पूर्व नरेश के काठमांडू हवाई अड्डे पर उतरते ही उनके समर्थकों ने तख्तियां लिए हुए नारे लगाए हम अपने राष्ट्र को बचाने के लिए राजा ज्ञानेंद्र को वापस चाहते हैं। काठमांडू जिला प्रशासन कार्यालय द्वारा त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के आसपास के क्षेत्र में पांच से अधिक लोगों के जमावड़े पर प्रतिबंध लगाने वाले निषेधाज्ञा आदेशों के बावजूद पूर्व नरेश के समर्थक हवाई अड्डे पर जमा हो गए नेपाल ने 2008 में राजशाही को समाप्त कर दिया था, लेकिन आर्थिक संकट और राजनीतिक अस्थिरता के बीच पिछले साल राजशाही समर्थक प्रदर्शन फिर से शुरू हो गए। हवाई अड्डे के आसपास के इलाके में भारी संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे। राजतंत्र समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के कार्यकर्ता, जिनका नेतृत्व वरिष्ठ नेता कमल थापा कर रहे हैं, और नवराज सुबेदी और चिकित्सा पेशेवर दुर्गा प्रसाई के नेतृत्व में विभिन्न अन्य समर्थक समूह शुक्रवार सुबह से ही हवाई अड्डे के क्षेत्र में जमा हो गए थे। काठमांडू में बृहस्पतिवार को एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान, प्रसाई ने कहा कि वे पांच मार्च को होने वाले आम चुनाव से पहले राजशाही संस्था को बहाल करना चाहते हैं।

महाशिवरात्रि पर पशुपतिनाथ मंदिर में आठ लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद

» काठमांडू , भाषा।

पशुपतिनाथ मंदिर में रविवार को महाशिवरात्रि के अवसर पर करीब आठ लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है, जिनमें लगभग 30 प्रतिशत भारतीय होंगे। बागमती नदी के तट पर स्थित मंदिर को देश-विदेश, विशेषकर भारत से आने वाले हिंदू श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए रंग-बिरंगी रोशनी, कागज़ी झंडों, फूलों, मालाओं और बैनरों से सजाया गया है। मंदिर के प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालने वाले पशुपति क्षेत्र विकास ट्रस्ट के कार्यकारी निदेशक सुभाष जोशी ने बृहस्पतिवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि आगामी पांच मार्च को होने वाले चुनाव के मद्देनज़र इस बार मंदिर की सुरक्षा के विशेष प्रबंध किए गए हैं और लगभग 8,000 सुरक्षाकर्मियों, जिनमें नेपाली सेना के जवान भी शामिल हैं, की तैनाती की गई है।

उन्होंने बताया कि महाशिवरात्रि के अवसर पर पूजा-अर्चना के लिए सैकड़ों नागा बाबाओं सहित लगभग 4,000 साधुओं के मंदिर परिसर में पहुंचने की उम्मीद है। जोशी ने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए धार्मिक नृत्य एवं संगीत कार्यक्रम, भजन-कीर्तन, अलाव और निःशुल्क भोजन वितरण की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि मंदिर रविवार को तड़के दो बजे खोला जाएगा और श्रद्धालु चारों दिशाओं से शिवलिंग के दर्शन कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क पेयजल, आपातकालीन चिकित्सीय सेवा, स्वयंसेवक सेवा तथा चंदन टीका वितरण की व्यवस्था की गई है। जोशी ने बताया कि वृद्ध, बीमार और दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था की गई है ताकि वे आसानी से मंदिर में प्रवेश कर सकें। उनके अनुसार, मंदिर परिसर में शराब और अन्य मादक पदार्थों के सेवन पर सख्त प्रतिबंध रहेगा। महाशिवरात्रि के अवसर पर कम से कम 2,500 स्वयंसेवकों और 26 संगठनों को तैनात किया गया है। जोशी ने बताया कि नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल के भी दिन में करीब साढ़े चार बजे दर्शन के लिए पहुंचने की संभावना है।

अमेरिका का दूसरा विमानवाहक पोत पश्चिम एशिया भेजा जा रहाः सूत्र

वाशिंगटन, भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान पर दबाव बनाने और संभावित सैन्य कार्रवाई पर विचार कर रहे हैं। इन योजनाओं से परिचित एक व्यक्ति ने बृहस्पतिवार को बताया कि इसी क्रम में अमेरिका के सबसे बड़े विमानवाहक पोत को कैरेबियन सागर से पश्चिम एशिया की ओर रवाना होने का आदेश दिया गया है। सैन्य गतिविधियों के बारे में जानकारी देने वाले व्यक्ति ने नाम गुप्त रखने की शर्त पर बताया कि यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड की इस गतिविधि की खबर सबसे पहले न्यूयॉर्क टाइम्स ने दी थी। इसके तहत दो विमानवाहक पोत और उनके साथ मौजूद युद्धपोत इस क्षेत्र में तैनात हो जाएंगे। ट्रंप ईरान पर उसके परमाणु कार्यक्रम को लेकर समझौता करने का दबाव बढ़ा रहे हैं। यूएसएस अब्राहम लिंकन विमानवाहक पोत और तीन गाइडेड-मिसाइल विध्वंसक पोत दो सप्ताह से अधिक समय पहले पश्चिम एशिया पहुंचे थे। यह यूएसएस फोर्ड के लिए एक त्वरित बदलाव का संकेत है जिसे ट्रंप ने पिछले अक्टूबर में भूमध्य सागर से कैरिबियन सागर में भेजा था और प्रशासन ने वहां विशाल सेना की तैनाती की थी तथा अचानका कार्रवाई कर वेनेजुएला के तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ लिया था। ट्रंप ने इस सप्ताह की शुरुआत में समाचार वेबसाइट एक्सियोस को बताया था कि वह पश्चिम एशिया में दूसरा विमानवाहक पोत भेजने पर विचार कर रहे हैं।

नई दिल्ली के लालकिला के पास हुए एक कार विस्फोट में करीब 15 लोगों की मौत हो गई थी

संरा सुरक्षा परिषद पैनल ने लालकिले पर हुए हमले से जैश-ए-मोहम्मद के संबंध पर गौर किया

» संयुक्त राष्ट्र, भाषा।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की प्रतिबंध निगरानी टीम की एक रिपोर्ट में इस बात का जिक्र किया गया कि पाकिस्तान-स्थित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद का पिछले साल नवंबर में नई दिल्ली में लालकिला के पास हुए आतंकवादी हमले से संबंध बताया गया है। इस हमले में 15 लोगों की मौत हो गई थी। विश्लेषणात्मक सहायता और प्रतिबंध निगरानी दल द्वारा इस्लामिक स्टेट इन इराक एंड द लेवांत (आईएसआईएल) और अल-कायदा से संबंधित सुरक्षा परिषद 1267 प्रतिबंध समिति को दी गई 37वीं रिपोर्ट में कहा गया, एक सदस्य देश ने उल्लेख किया कि जैश-ए-मोहम्मद ने कई हमलों की जिम्मेदारी ली है।

यह भी बताया गया कि जैश-ए-मोहम्मद का संबंध नौ नवंबर को नई दिल्ली के लालकिले के पास हुए उस हमले से भी है जिसमें 15 लोग मारे गए थे। यहां जारी की गई रिपोर्ट में कहा गया कि पिछले साल आठ अक्टूबर को जैश-ए-मोहम्मद के नेता मोहम्मद मसूद अजहर अल्वी ने महिलाओं की एक विशेष शाखा जमात उल-मुमिनात की स्थापना की औपचारिक रूप से घोषणा की थी जिसका उद्देश्य आतंकवादी हमलों का समर्थन करना है। रिपोर्ट में कहा गया कि जहां एक अन्य सदस्य देश ने जैश-ए-मोहम्मद के निष्क्रिय होने की सूचना दी, वहीं अलग से यह भी बताया गया कि 28 जुलाई को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले में कथित तौर पर शामिल तीन व्यक्ति मारे गए। नई दिल्ली के लालकिला के पास हुए एक कार विस्फोट में करीब 15 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल से नई दिल्ली में बृहस्पतिवार को साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन के दौरान यूएनएससी रिपोर्ट पर टिप्पणी मांगे जाने पर उन्होंने कहा, आप जिस विशेष रिपोर्ट का जिक्र कर रहे हैं, वह सार्वजनिक है। यह ऑनलाइन उपलब्ध है।

यह विश्लेषणात्मक सहायता एवं प्रतिबंध निगरानी दल की 37वीं रिपोर्ट है। यह चार फरवरी, 2026 को प्रकाशित हुई थी। प्रवक्ता ने कहा, हमने देखा है कि उन्होंने सीमा-पार आतंकवाद पर हमारी चिंता के संबंध में और आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को कैसे मजबूत किया जा सकता है, इस बारे में भारत द्वारा दी गई जानकारी को शामिल किया है।

अमेरिका के विरोध के बावजूद संयुक्त राष्ट्र ने एआई पर चालीस सदस्यीय वैज्ञानिक पैनल को मंजूरी दी

संयुक्त राष्ट्र, भाषा। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रभाव और जोखिमों का आकलन करने के लिए 40 सदस्ईय वैश्विक वैज्ञानिक पैनल के गठन को भारी बहुमत से मंजूरी दे दी, जबकि अमेरिका ने इस प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया। इस पैनल का गठन करने वाले, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने इसे एआई की वैश्विक वैज्ञानिक समझ की दिशा में एक बुनियादी कदम बताया। गुतारेस ने बृहस्पतिवार को कहा, ऐसे समय में जब एआई तेजी से आगे बढ़ रहा है, यह पैनल कठोर, स्वतंत्र वैज्ञानिक अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा ताकि सभी सदस्य देश, भले ही उनकी प्रौद्योगिकी क्षमता जो भी हो, समान आधार पर भागीदारी कर सकें।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com